वैशाख कृष्ण पक्ष- 11, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 277 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
13 अप्रैल 2026 सोमवार

आज का मौसम
36.8 अधिकतम
20.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

बिगड़ते हालात... तेल ट्रांसपोर्ट रोककर ईरान को झुकाने की कोशिश

आज से होर्मुज की नाकाबंदी करेंगे ट्रम्प, ईरान पर फिर हमले की तैयारी!

अमेरिका का दावा - इस अभियान में अन्य देश भी दे रहे हैं साथ

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी. एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प फिर से ईरान पर हमले की तैयारी कर रहे हैं। ट्रंप ईरान के अंदर सीमित सैन्य हमलों पर विचार कर रहे हैं। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका की नौसेना आज भारतीय समयानुसार शाम 7.30 बजे से होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी शुरू करेगी। इस्लामाबाद में हुई शांति वार्ता में कोई समझौता न हो पाने के बाद ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिकी नौसेना होर्मुज स्ट्रेट में एंट्री करने या उससे बाहर निकलने की कोशिश करने वाले सभी जहाजों की नाकाबंदी की प्रक्रिया शुरू करेगी।

वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप शांति वार्ता में गतिरोध तोड़ने के लिए ईरान पर सीमित सैन्य हमले फिर शुरू करने पर विचार कर रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अमेरिका फुल-स्केल बमबारी भी कर सकता है। लेकिन फिलहाल इसकी संभावना कम मानी जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान पर अमेरिकी नौसेना की नाकाबंदी एक बड़ा और अनिश्चितकालीन सैन्य अभियान है। इससे तेहरान की ओर से नए सिरे से जवाबी कार्रवाई शुरू हो सकती है। इसके बाद पहले से ही नाजुक चल रहे संघर्ष-विराम पर भारी दबाव पड़ सकता है।

पोप लियो पर भड़के ट्रम्प बोले -नहीं चाहिए ऐसा धर्मगुरु

पाकिस्तान में आयोजित बातचीत विफल होने के बाद पोप लियो ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कड़ी आलोचना की। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पोस्ट में पोप पर तीखा पलटवार करते हुए विदेश नीति, ईरान और अमेरिका के घरेलू मुद्दों पर पोप के विचारों की कड़ी आलोचना भी की। ट्रंप ने लिखा कि पोप मेरी सरकार के 'डर' की बात तो करते हैं, लेकिन वो उस डर के बारे में कुछ नहीं बोलते जो कोरोना के समय चर्च ने झेला था। ईरान को लेकर पोप की राय पर उन्होंने कहा मुझे ऐसा पोप नहीं चाहिए जो सोचता हो कि ईरान के पास न्यूक्लियर हथियार होना ठीक है।

ट्रम्प ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, आज ही से नाकेबंदी लागू होगी। अन्य देश भी इसमें शामिल हो रहे हैं, ताकि ईरान तेल बेच न सके और यह बहुत प्रभावी होगा। सभ्यता को खत्म करने की धमकी देने के बाद ईरान वार्ता की मेज पर आया, जो फिलहाल असफल हो गई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों देश फिर बातचीत की मेज पर लौटेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रम्प और उनके सलाहकारों ने इस्लामाबाद में ईरान के साथ बातचीत विफल होने के कुछ घंटों बाद समुद्री नाकेबंदी को लागू करने के साथ-साथ टारगेटेड हमलों को फिर से शुरू करने के विकल्प पर चर्चा की। नाकेबंदी के ऐलान के बाद वैश्विक तेल कीमतों में तेज उछाल आया है। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट 104 डॉलर प्रति बैरल और ब्रेंट क्रूड 102 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है। इस बीच वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान में हुई वार्ता के विफल होने के बाद अमेरिका ईरान पर दोबारा सैन्य हमले करने पर भी विचार कर रहा है। व्हाइट हाउस ने साफ किया है कि सभी विकल्प खुले हैं और हालात के हिसाब से आगे का फैसला लिया जाएगा।

सुलह वार्ता फेल होने से गहराता संकट और लगातार अपनी किरकिरी कराते ट्रम्प

वॉर एनालिसिस

● राजेश सिरोठिया

ईरान से सुलह की कवायद बेनतीजा होने के बाद राष्ट्रपति ट्रम्प दुनिया के सामने अपनी लगातार किरकिरी कराने पर भला क्यों आमादा हैं ? उन्होंने उस स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की नाकेबंदी का ऐलान करने के साथ ही इसका पूरा शेड्यूल भी जारी कर दिया है जो जंग के पहले खुला हुआ था। लाख टके का सवाल तो यही है कि होर्मुज का रास्ता बंद क्यों हुआ? पहले तो यह जलक्षेत्र अमेरिका सहित सभी जलपोतों के लिए निर्बाध रूप से खुला था और रोजाना 140 से 200 मालवाहक जहाज गुजरते थे। 28 फरवरी के हमले के बाद यह तादाद पांच से दस के बीच रह गई। ऐसे में गतिरोध के बीच अमेरिकी नाकेबंदी की क्या तुक है? ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अघराची का दावा है कि सुलह कुछ इंच दूर थी लेकिन अमेरिका ने शर्तें बदल दी और ट्रम्प ने नाकेबंदी का ऐलान करके सारा मसला फिर उलझा दिया।

ट्रम्प के फरमान के तहत अमेरिकी सेंट्रल कमांड की नाकेबंदी ईरानी बंदरगाहों तथा उसे टोल चुकाकर निकलने वाले जहाजों पर भी लागू होगी। सेंट्रल कमांड ने कहा है कि बाकी जहाजों की आवाजाही पर कोई रोक नहीं होगी। लेकिन व्यापारिक नावों को सलाह दी गई है कि वे 'नोटिस टू मैरिनर्स' के आधिकारिक प्रसारणों पर नजर रखें । ओमान की खाड़ी और होर्मुज स्ट्रेट के आसपास से गुजरते वक्त ब्रिज-टू-ब्रिज चैनल 16 के जरिए अमेरिकी नेवी से संपर्क में रहें। इसे क्या माना जाए? क्या ट्रम्प अभी भी इस मुगालते में हैं कि वह नाकेबंदी से ईरान को झुका लेंगे? क्या यह चीन, भारत सहित उन तमाम देशों के लिए परेशानी का सबब नहीं बनेगा जो बगैर टोल चुकाए ईरान से तेल लेकर अपने मुल्कों की तरफ जाएंगे? ट्रम्प ने ईरान को हथियार देने पर चीन को 50 फीसदी टैरिफ की धमकी दी है।

फ्रांस-जर्मनी के पास सुरंग खोजने की तकनीक

ईरान के साथ इस्लामाबाद में सुलह वार्ता के दौरान ट्रम्प ने अपने दो ऐसे जहाजी बेड़े भेजने का दावा किया था जो स्ट्रेट ऑफ हार्मुज में पानी के नीचे बिछी सुरंगों को ढूंढकर नष्ट करने में सक्षम हैं। जबकि आपाधापी के माहौल में बिछाई गई इन सुरंगों की जानकारी ईरान को भी नहीं। जिन्हें यह जानकारी रही होगी उसमें से ज्यादातर ईरानी नौकाओं को नष्ट करके उसके नाविकों को मारने का दावा खुद ट्रम्प कर चुके हैं। सवाल यह भी है कि क्या अमेरिकी मैरीन माइन डिटेक्टर जहाज यह कर पाएंगे? ऐसी सुरंगों को खोजने की टेक्नालॉजी फ्रांस और जर्मनी के पास है। ये दोनों देश स्ट्रेट ऑफ हार्मुज में दखल से दो टूक इंकार कर चुके हैं।

ट्रम्प आखिर क्या करें तो क्या करें?

अमेरिका मान न मान मैं तेरा मेहमान वाली तर्ज पर नाकेबंदी क्यों कर रहा है ? क्या सिर्फ इसीलिए कि वह दुनिया का सबसे मजबूत रक्षा तंत्र वाला देश है? यदि ट्रम्प वाकई दुनिया के देशों की अर्थव्यवस्था को लेकर चिंतित हैं तो उन्हें अपने खाड़ी देशों के सैन्य ठिकानों की उपयोगिता पर सोचना होगा। खाड़ी के कुछ मुल्कों को सुरक्षा देने के नाम पर बनाए गए ठिकानों में से ज्यादातर को वह ईरानी हमले नहीं बचा सका । उससे सुरक्षा की आस लगाए बैठे मुल्कों में क्या हुआ, यह सबने देखा है। यदि ट्रम्प की चिंता दुनिया और अपने मुल्क के लोगों पर पड़ते आर्थिक बोझ की है तो उन्हें यह साहस दिखाना होगा। जिद्दी ट्रम्प ऐसा करेंगे? इसका जवाब फिलहाल तो नकारात्मक ही है, क्योंकि इस पूरे मसले को उन्होंने अपनी प्रतिष्ठा (?) से जोड़ रखा है।

अमेरिकी दखल अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की अनदेखी !

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अमेरिकी नाकेबंदी अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ क्या संबंधित देश की समुद्री जल सीमाओं पर अतिक्रमण नहीं है? मिसाल के तौर पर भारत की जलीय सीमा उसकी जमीन से 21 नॉटिकल माइल है। एक नॉटिकल माइल 1.852 किलोमीटर के बराबर होता है। यानि भारत की जमीनी सरहद से सटा समुद्री जल क्षेत्र 38.892 किलोमीटर है। ईरान और ओमान के बीच सबसे संकरा समुद्री जल क्षेत्र मात्र 33 से 39 किलोमीटर चौड़ा है। यह ईरान के उत्तर और ओमान के दक्षिणी इलाके का हिस्सा है। दोनों ही देश लगभग 22.224 किलोमीटर की जलसीमा का दावा करते हैं। इसमें दो किलोमीटर चौड़ीगहरी शिपिंग लेन ओमान के जलक्षेत्र में आती है। अंतर्राष्ट्रीय यातायात के तहत भारी मालवाहक जहाजों की आवाजाही यहीं से होती है। इससे सटा दोनों देशों का दो-दो किलोमीटर का बफर जोन भी है। दूसरे खाड़ी मुल्कों यानि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कतर, सऊदी अरब,और बहरीन का स्ट्रेट ऑफ हार्मुज में एक इंच भी प्रत्यक्ष समुद्री जल क्षेत्र नहीं है। वे अंतर्राष्ट्रीय कानून यानि यूएनसीएलओएस और ईरान तथा ओमान के साथ हुई समुद्री सीमा संधियों के जरिए अपने माल की स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से निकासी करते हैं। होना यह चाहिए कि यदि कोई गतिरोध है तो ईरान के साथ खाड़ी के मुल्क आपस में संवाद के जरिए इस मसले का हल खोजें। लेकिन, ईरान की खाड़ी मुल्कों के सामने शर्त है कि वह अपने देशों को अमेरिकी सैन्य ठिकानों से मुक्त कर ले।

हैदराबाद-राजस्थान, समय : शाम 7.30 बजे

न्यूज विंडो

आशा भोसले को राजकीय सम्मान, 4 बजे अंतिम संस्कार

मुंबई। दिग्गज गायिका आशा भोसले का आज शाम 4 बजे शिवाजी पार्क में अंतिम संस्कार होगा। आशा ताई के अंतिम दर्शन के लिए उनके आवास पर तमाम फिल्मी कलाकारों और राजनेताओं का आना-जाना लगा हुआ है। उनके पार्थिव शरीर को उनके आवास पर रखा है और उन्हें राजकीय सम्मान दिया गया है। इंडस्ट्री के तमाम सेलेब्स और गायिका के शुभचिंतक उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंच रहे हैं।

मुठभेड़ में पांच लाख की इनामी महिला माओवादी कमांडर ढेर

कांकेर। पुलिस नक्सल मुठभेड़ में परतापुर एरिया कमेटी में सक्रिय महिला माओवादी रुपी रेड्डी ढेर हो गई है। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने बताया कि जिला कांकेर के छोटेबेठिया-परतापुर थाना क्षेत्र के सीमावर्ती इलाके में स्थित माचपल्ली-आरामझोरा-हिड़ूर क्षेत्र के जंगलों में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर पुलिस बल द्वारा सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। सर्च अभियान के दौरान पुलिस बल और माओवादियों के बीच माचपल्ली इलाके में मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ के पश्चात सर्चिंग के दौरान सुरक्षा बलों द्वारा एक महिला माओवादी का शव बरामद किया गया।

आज का कार्टून

नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी बोले

नया इतिहास रचने के करीब है देश की संसद

नईदिल्ली, एजेंसी

पीएम नरेंद्र मोदी ने आज महिला आरक्षण बिल पर कहा, 'हमारे देश की संसद एक नया इतिहास रचने के करीब है। विधानसभाओं से लेकर संसद तक दशकों की प्रतीक्षा के अंत का समय आ गया है। इसलिए सरकार 16 से 18 अप्रैल तक संसद का स्पेशल सेशन लाई है।' वे नारी शक्ति के सम्मेलन में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा, 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के जीवन का बड़ा अवसर बनने जा रहा है। संसद तक पहुंचने का रास्ता आसान बनने जा रहा है। आज महिलाओं की भूमिका और भी अहम हो गई है। हमारी योजनाओं से औरतें आर्थिक रूप से ताकतवर बनीं। उन्होंने कहा कि मैं गृहस्थ नहीं हूं, लेकिन जानता सब हूं।'

पीएम मोदी ने कहा, 'हमारी सरकार महिलाओं के लिए कई योजनाएं लेकर हाजिर है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मातृत्व योजना, जन्म के बाद सुकन्या समृद्धि योजना, सही समय पर टीके लगें इसके लिए मिशन इंद्र धनुष शुरू किया।'

स्कूल में शौचालय की परेशानी न हो इसलिए स्वच्छ भारत अभियान, मुफ्त सेनेटरी पैड, खेलों में सालाना 1 लाख की मदद और भविष्य में सेना में जाना चाहें तो सरकार ने सैनिक स्कूल के दरवाजे भी खोले। जीवन के आगे के पड़ाव में रसोई में धुएं की परेशानी से बचाने के लिए हम उज्जवला योजना लाए। पानी के लिए हर घर नल, 5 लाख तक मुफ्त इलाज देने वाली आयुष्मान योजना भी शुरू की।

सभी के लिए न्याय पर बोले जस्टिस सूर्यकांत

अधिकारों का इस्तेमाल ही न हो तो कागजों पर लिखने का मतलब नहीं

देहरादून, एजेंसी

यहां आयोजित एक सम्मेलन में चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि जो अधिकार व्यवहार में इस्तेमाल ही नहीं हो सकते, वे केवल कागजी वादे बनकर रह जाते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत की न्याय प्रणाली में अधिकारों की कमी नहीं है, बल्कि असली चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि आम लोग उन अधिकारों का वास्तविक लाभ उठा सकें। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि न्याय व्यवस्था की सफलता इस बात से आंकी जाएगी कि आम नागरिक अपने अधिकारों का उपयोग कितनी आसानी से कर पा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अधिकार केवल कागजों तक सीमित रह जाएं, तो उनका कोई वास्तविक महत्व नहीं रह जाता।

सैलरी बढ़ाने के लिए उग्र हुए श्रमिक नोएडा में हिंसा, वाहनों में आग लगाई

नोएडा, एजेंसी

वेतन वृद्धि की मांग को लेकर नोएडा के विभिन्न क्षेत्रों में आज कई कंपनियों के कर्मचारी सड़कों पर उतर आए। पिछले तीन से चार दिनों से जारी इस विरोध प्रदर्शन ने सोमवार को उग्र रूप ले लिया, जब गुस्साए कर्मचारियों ने कई प्रमुख सड़कों पर जाम लगा दिया और यातायात व्यवस्था को ठप कर दिया। फेज 2 में चल रहे प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया।

प्रदर्शनकारियों ने गाड़ियों में आग लगा दी और पुलिस पर पथराव किया। आक्रोशित भीड़ को कंट्रोल करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़े। पिछले तीन से चार दिनों से अपनी मांगों को लेकर कर्मचारी सड़कों पर उतर रहे हैं। कर्मियों की मांगों में सैलरी 13 हजार से बढ़ाकर 20 हजार रुपये करना, ओवरटाइम का भुगतान और छुट्टियों का अलग प्रावधान शामिल है। आज प्रदर्शनकारियों ने सड़क जाम कर दी और कई जगह गाड़ियों के आगे लेटकर यातायात रोक दिया। कुलेसरा से फेज-2 तक मार्च निकालते हुए कर्मचारी एकत्र हुए।

लैंड फॉर जॉब केस में लालू यादव को कोर्ट से झटका

नईदिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने आरजेडी नेता लालू प्रसाद यादव को राहत देने से इनकार कर दिया है। लालू यादव ने 'जमीन के बदले नौकरी' मामले में अपने और अपने परिवार के कई सदस्यों के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की थी। हालांकि, जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा कि लालू प्रसाद यादव को ट्रायल के दौरान कोर्ट में पेश होने की जरूरत नहीं होगी।

जिन किसानों की फसल खराब हुई उन्हें मिलेगा बीमा का लाभ

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मोहन कैबिनेट ने ओलावृष्टि और बारिश से प्रभावित फसलों का सर्वे कराकर किसानों को राहत देने का निर्णय लिया है। जिन किसानों की फसल खराब हुई है, उन्हें फसल बीमा योजना का लाभ मिलेगा। इसके अलावा, राजगढ़, मंडला, नीमच, मंदसौर, श्योपुर और सिंगरौली में नए मेडिकल कॉलेज की स्थापना की निरंतरता को मंजूरी दी गई है। साथ ही कृषि यंत्रीकरण योजना भी आगे जारी रहेगी। राज्य सरकार ने नारी वंदन अधिनियम को लेकर प्रदेशभर में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने का फैसला किया है। 25 अप्रैल तक 'नारी शक्ति वंदन उत्सव' मनाया जाएगा, जिसके तहत पद यात्राएं, महाविद्यालयों में कार्यक्रम और विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसके साथ ही नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में जनजातीय महोत्सव आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।

मेट्रो एंकर | **महाकुंभ की चर्चित वायरल गर्ल की शादी विवादों में, पति पर दर्ज हो चुका हैं केस**

स्टोरी में ट्विस्ट... फरमान का दावा- मुझे छोड़कर भाग गई मोनालिसा

इंदौर/अजमेर, एजेंसी

महाकुंभ से चर्चित हुई वायरल गर्ल मोनालिसा भोसले की कहानी में नया मोड़ आ गया है। फरमान खान से शादी के बाद शुरू हुए विवाद में नया ट्विस्ट आ गया है। फरमान पर रेप केस दर्ज होने के बाद उसका एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें वह मोनालिसा के भागने की बात कह रहा है। हालांकि, इस वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं हो सकी है। इसके बाद संदेह व्यक्त किया जा रहा है कि कहीं मोनालिसा को गायब तो नहीं कर दिया गया है।

फरमान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें वह खुद के अजमेर (राजस्थान) में होने की जानकारी देते हुए कहता है कि वह मोनालिसा की तलाश कर रहा है। वीडियो में वह कहता है, 'हैलो फ्रेंड्स, मैं अजमेर-पुष्कर आया हुआ हूं, मोनालिसा भाग गई है, उसे ढूंढने अजमेर-पुष्कर आया हूं।' इंदौर की मोनालिसा से केरलम में शादी रचाने वाले फरमान ने यह नहीं बताया कि मोनालिसा कब से और कैसे लापता हो गई है।

फरमान के नए वीडियो से कई सवाल खड़े हो गए हैं। क्या सच में मोनालिसा भाग गई है? यदि यह सच है तो आखिर उसने यह कदम क्यों उठाया? क्या उसे किसी तरह बरगलाया गया था जिसका अहसास होने पर उसने यह कदम उठाया? या फिर फरमान ने अपने खिलाफ केस दर्ज होने के बाद कोई नई चाल चल दी है? मोनालिसा भोसले को राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) की जांच में नाबालिग पाया गया है, जिसके बाद उसकी उम्र को लेकर उठा विवाद और गहरा गया है। मोनालिसा के परिवार के सदस्यों और शिकायतकर्ता दुबे ने कहा कि आयोग द्वारा की गई जांच के अनुसार, महेश्वर सरकारी अस्पताल के रिकॉर्ड से पता चलता है कि उसकी जन्मतिथि 30 दिसंबर, 2009 है और इसका मतलब है कि शादी के समय उसकी उम्र 16 साल और दो महीने थी। लड़की के पिता की शिकायत पर पुलिस ने 25 मार्च को महेश्वर थाने में खान के खिलाफ कथित अपहरण और पॉक्सो अधिनियम और एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था।

सनोज मिश्रा बोले- बांग्लादेश भाग सकता है फरमान

इस बीच मोनालिसा को अभिनेत्री का रोल देकर फिल्म बनाने वाले डायरेक्टर सनोज मिश्रा ने फरमान के वीडियो को फर्जी करार देते हुए कहा कि इसका फायदा उठाकर फरमान विदेश भाग सकता है। उन्होंने कहा कि वह नेपाल के रास्ते बांग्लादेश भाग सकता है। सनोज मिश्रा ने कहा, 'वीडियो बहुत वायरल हो रहा है, जिसमें जिहादी वायरल गर्ल को ढूंढ रहा है अजमेर में। वह फेक वीडियो है, इस ध्यान देने की जरूरत नहीं है। ध्यान इस पर देने की जरूरत है कि इसका फायदा उठाकर वह नेपाल के रास्ते बांग्लादेश भाग सकता है।

पाइपलाइन फटी, सड़कों पर पानी...ट्रैफिक जाम

भोपाल के व्यस्त इलाकों में शामिल डीआईजी बंगला चौराहे पर इन दिनों सड़क निर्माण कार्य लोगों के लिए भारी परेशानी का कारण बन गया है। निर्माण कार्य के दौरान कई स्थानों पर पाइपलाइन फट गई है, जिससे लगातार पानी सड़कों पर बह रहा है और हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। स्थानीय लोगों और वाहन चालकों के अनुसार, सड़क पर फैले पानी के कारण कीचड़ और गड्ढे बन गए हैं, जिससे वाहन फिसलने का खतरा बढ़ गया है। सुबह और शाम के व्यस्त समय में यहां लंबा ट्रैफिक जाम लगना अब रोज की बात हो गई है। राहगीरों और दोपहिया चालकों को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि निर्माण एजेंसी और नगर निगम की लापरवाही के कारण यह स्थिति बनी हुई है। पाइपलाइन फटने के बाद भी समय पर मरम्मत नहीं की जा रही, जिससे पानी की बर्बादी के साथ-साथ यातायात व्यवस्था भी चरमरा गई है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द पाइपलाइन की मरम्मत कर सड़क निर्माण कार्य को व्यवस्थित तरीके से पूरा कराया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। यदि समय रहते ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है

दो महीने पहले बुकिंग कराने के बावजूद यात्रियों को कंफर्म सीट नहीं मिल पा रही

गर्मियों की छुट्टियों में रेल सफर मुश्किल मई और जून तक ट्रेनों में वेटिंग और रीग्रेट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गर्मियों की छुट्टियों को देखते हुए लोगों ने पहले से ही उत्तराखंड, गोवा और हिल स्टेशनों की बुकिंग करा ली है। ऐसे में अगर शहर के लोग इन जगहों पर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो ट्रेनों की मौजूदा स्थिति जान लेना जरूरी है। 1 मई से 14 जून तक ज्यादातर ट्रेनों में स्लीपर और थर्ड एसी में लंबी वेटिंग और कई जगह 'रीग्रेट' जैसी स्थित बनी हुई है। जबकि इंडियन रेलवे द्वारा स्पेशल ट्रेनें और अतिरिक्त कोच जोड़ने के बावजूद कंफर्म टिकट मिलना मुश्किल बना हुआ है, जिससे यात्रियों की परेशानी बढ़ रही है।

ये है ट्रेनों की स्थिति

स्थिति यह है कि 2 महीने पहले बुकिंग कराने के बावजूद यात्रियों को कंफर्म सीट नहीं मिल पा रही। उत्तराखंड रूट पर 30 मई तक स्लीपर और 3एसी में भारी वेटिंग बनी हुई है, जबकि अन्य क्लास में भी वेटिंग 20 के पार पहुंच गई है। गोवा रूट पर 1 मई से 14 जून तक सभी क्लास फुल हैं और वेटिंग/रीग्रेट का दबाव बना हुआ है। मुंबई रूट पर भी मई भर यही स्थिति बनी हुई है। वहीं, मनाली और ऊटी जैसे हिल स्टेशनों के लिए जाने वाली ट्रेनों में भी स्लीपर और 3एसी में 'रीग्रेट' और अन्य क्लास में 20 से 50 तक वेटिंग देखी जा रही है।

यात्रियों पर बढ़ा आर्थिक दबाव

ट्रेन में सीट न मिलने से बस और फ्लाइट का सहारा लेना पड़ रहा है, जिनके किराए में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। साथ ही, लोकप्रिय पर्यटन स्थलों पर भारी भीड़ के कारण होटल और अन्य सुविधाएं भी महंगी हो गई हैं। ऐसे में यात्रियों के लिए यात्रा करना पहले से ज्यादा चुनौतीपूर्ण और खर्चीला हो गया है।

एजेंट और तत्काल पर बढ़ी निर्भरता

कंफर्म टिकट नहीं मिलने के कारण कई यात्री अपनी ट्रिप कैंसिल करने को मजबूर हो रहे हैं। जो यात्रा करना चाहते हैं, वे अब एजेंट और तत्काल टिकट पर निर्भर हो गए हैं, जहां टिकट मिलना मुश्किल और महंगा दोनों हो गया है। इससे परिवार के साथ बनाए गए प्लान भी प्रभावित हो रहे हैं और लोगों को निराशा झेलनी पड़ रही है।

स्पेशल ट्रेनों के बाद भी राहत नहीं

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि भीड़ को देखते हुए कई स्पेशल ट्रेनें चलाई गई हैं और कुछ ट्रेनों में अतिरिक्त कोच जोड़े गए हैं, लेकिन यात्रियों की संख्या इतनी अधिक है कि इन उपायों का असर सीमित नजर आ रहा है। अधिकांश रूट्स पर वेटिंग क्लियर होने की संभावना कम है।

नगर निगम का नया ठिकाना

अलग-अलग दफ्तरों के चक्करों से शहरवासियों को मिलेगी मुक्ति

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल में नगर निगम की प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ और जन-अनुकूल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। लिंक रोड नंबर-दो, तुलसी नगर में नवनिर्मित नगर निगम के अत्याधुनिक मुख्यालय भवन में विभागों की शिफ्टिंग की प्रक्रिया युद्ध स्तर पर जारी है। वर्तमान में शहर के 10 अलग-अलग क्षेत्रों से संचालित होने वाली निगम की शाखाएं अब एक ही परिसर में समाहित हो जाएंगी।

नगर निगम प्रशासन ने आठ मंजिला इस भव्य इमारत में अधिकारियों और कर्मचारियों के बैठने के लिए कक्षों का विधिवत आवंटन कर दिया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने महत्वपूर्ण दस्तावेज और उपकरणों की शिफ्टिंग तत्काल सुनिश्चित करें। अभी तक भोपाल के नागरिकों को जल कर, भवन अनुज्ञा या अन्य प्रमाण पत्रों के लिए शहर के अलग-अलग कोनों में स्थित दफ्तरों में भटकना प?ता था। अब जल कार्य, विद्युत और हाउसिंग फॉर ऑल जैसे विभागों के नए भवन में पहुंचने से आम जनता का समय और श्रम दोनों बचेगा। एकीकृत व्यवस्था से निगम के आंतरिक कामकाज में भी पारदर्शिता और गति आने की उम्मीद है।

विभागों का फ्लोर वाइस आवंटन: भू-तल यहां आमजन की जरूरत के लिए आवेदन काउंटर बनाए जाएंगे। यहां पर विवाह पंजीयन रजिस्ट्रार, डिस्पेंसरी, आंचल कक्ष, स्मार्ट सिटी संपर्क, भवन अनुज्ञा संपर्क कक्ष के साथ ही राजस्व, जल कार्य, एचएफए आदि के करों के संपर्क के लिए कक्ष आवंटित किए गए हैं। साथ ही जनसंपर्क शाखा भी यहीं रहेगी।

पहली मंजिल- यह फ्लोर नगर निगम के जनप्रतिनिधियों के आवंटित है। यहां महापौर, नगर निगम परिषद अध्यक्ष, निगम के नेता प्रतिपक्ष, एमआइसी सदस्यों के साथ ही कांफ्रेंस हाल और परिषद कार्यालय रहेगा।

दूसरी मंजिल- यह मंजिल स्थापना, योजना, पशु चिकित्सा, जन्म-मृत्यु शाखा, राजस्व, सामान्य प्रशासन और पेंशन शाखा के लिए आवंटित की गई है।

कोच लगाना भूला रेलवे, टीटीई बोला- जाना है तो जनरल में बैठो

आयोग का 15 हजार मुआवजा देने का आदेश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

रेलवे की लापरवाही का मामला सामने आया, जिसमें टिकट कन्फर्म और सीट नंबर अलॉट था, लेकिन ट्रेन में वह कोच नहीं लगाया गया था। मामला डेढ़ साल पुराना है। 30 नवंबर 2024 को नागपुर से भोपाल तक चार वरिष्ठ यात्रियों को जनरल डिब्बे में टॉयलेट के पास बैठकर सफर करना पड़ा। शिकायत पर रेलवे स्टाफ ने जिम्मेदारी लेने के बजाय कहा कि जाना है तो जनरल में बैठो।

मामला उपभोक्ता आयोग पहुंचा तो रेलवे ने दावा किया कि कोच लगाया गया था, लेकिन वह ठोस सबूत पेश नहीं कर सका। इसके बाद भोपाल उपभोक्ता आयोग ने इसे सेवा में कमी मानते हुए यात्री के पक्ष में फैसला सुनाया।

फरियादी ने खुद बताई आपबीती: मामले में फरियादी मंगलेश कुमार जोशी ने बताया कि उन्होंने पत्नी और परिजनों के साथ अमृतसर एक्सप्रेस (22125) में कोच की चार सीटें 30 नवंबर 2024 को बुक कराई थीं, लेकिन नागपुर स्टेशन पर ट्रेन आने के बाद कोच नहीं मिला। अधिकारियों और स्टाफ से पूछने पर जवाब मिला कि कोच लगा या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं है और यात्रा करनी है तो जनरल डिब्बे में बैठना होगा। मजबूरी में यात्रियों को भीड़भाड़ वाले जनरल कोच में चढ़ना पड़ा, जहां सीट नहीं मिलने पर टॉयलेट के पास बैठकर सफर करना पड़ा। सर्द मौसम और अस्थमा के कारण उन्हें स्वास्थ्य दिक्कतें हुईं। कोच पोजिशन डिस्प्ले पर कोच दिख रहा था, लेकिन उसकी जगह अन्य कोच था।

ऑनलाइन शिकायत की, लेकिन नहीं हुई सुनवाई

मंगलेश के अनुसार, उन्होंने यात्रा के दौरान ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई, लेकिन रेलवे ने केवल सीट नंबर की जानकारी दी, कोच का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया। पूरे सफर में टीटीई या स्टाफ से कोई मदद नहीं मिली।

रेलवे ने कहा- कोच लगा था, लेकिन सबूत नहीं दिए

सुनवाई के दौरान रेलवे ने कहा कि 30 नवंबर 2024 की अमृतसर एक्सप्रेस (22125) में छरु-1 कोच लगाया गया था और यात्री को सीट नंबर 1, 2, 3 और 4 आवंटित किए गए थे। रेलवे ने कहा कि सीटों की जानकारी एसएमएस से दे दी गई थी, इसलिए सेवा में कमी नहीं हुई। आयोग ने पाया कि रेलवे के संदेश में केवल सीट नंबर था, कोच नंबर स्पष्ट नहीं था। रेलवे ऐसा कोई ठोस प्रमाण भी पेश नहीं कर सका, जिससे साबित हो सके कि उस दिन छरु-1 कोच ट्रेन में लगाया गया था।

वकील बोले- रेलवे का दावा टिक नहीं सका

फरियादी पक्ष के अधिवक्ता संदीप गुरु ने आयोग के समक्ष फोटो, एफिडेविट और ऑनलाइन स्टेटस सहित दस्तावेज पेश किए, जिनसे स्पष्ट हुआ कि उस दिन छरु-1 कोच उपलब्ध नहीं था। उन्होंने बताया कि रेलवे ने दावा किया था कि कोच लगाया गया था और सीट अलॉट की गई थी, लेकिन यह दावा साक्ष्यों के सामने टिक नहीं सका।

14 दिन में जांच पूरी नहीं तो अधिकारियों पर की जाएगी विभागीय कार्रवाई

भोपाल। जांच के नाम पर मामलों को लंबित रखकर कथित अवैध वसूली की बढ़ती शिकायतों पर पुलिस मुख्यालय ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्यालय ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि प्रारंभिक जांच अधिकतम 14 दिनों में पूरी करना अनिवार्य होगा। तय समयसीमा का पालन नहीं करने वाले अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही यह भी स्पष्ट किया है कि संज्ञेय अपराध की सूचना मिलने पर एफआईआर दर्ज करना पुलिस की बाध्यता है। इसे टालने की प्रवृत्ति अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दरअसल, हाल के दिनों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां शिकायतों को बिना एफआईआर दर्ज किए महीनों तक जांच के नाम पर लंबित रखा गया। इस दौरान शिकायतकर्ताओं से रिश्वत मांगे जाने की शिकायतें भी सामने आईं, जिसे मुख्यालय ने गंभीर लापरवाही और अनुशासनहीनता माना है। पुलिस मुख्यालय ने यह भी साफ किया है कि जहां प्रथम दृष्ट्या संज्ञेय अपराध बनता है, वहां तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए। जांच के नाम पर देरी, वसूली या अन्य अनियमितताओं को अब सीधे जवाबदेही से जोड़ा जाएगा।

कॉलेजों में मानसिक स्वास्थ्य पर फोकस आत्महत्या रोकने काउंसलर होंगे नियुक्ति

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में बढ़ते छात्र तनाव और आत्महत्या की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। अब सभी शासकीय और निजी कॉलेजों में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के लिए काउंसलर नियुक्त करना अनिवार्य होगा। विभाग ने इस संबंध में स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए सभी प्राचार्यों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है।

निर्देशों के अनुसार, जिन महाविद्यालयों में 100 से अधिक छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं, वहां कम से कम एक प्रशिक्षित परामर्शदाता, मनोवैज्ञानिक या सामाजिक कार्यकर्ता की नियुक्ति करना अनिवार्य होगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि नियुक्त व्यक्ति को बाल एवं किशोरों के साथ कार्य करने का प्रमाणित अनुभव और प्रशिक्षण प्राप्त हो। जिन संस्थानों में विद्यार्थियों की संख्या कम है, वहां बाहरी मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों से रेफरल व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए गए हैं।

दरअसल, यह पूरी पहल सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद लागू की जा रही है, जिसमें शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया है। विभाग का मानना है कि समय पर परामर्श और सहयोग मिलने से तनावग्रस्त छात्रों को सहारा मिलेगा और गंभीर स्थितियों को टाला जा सकेगा। इधर, उच्च शिक्षा विभाग अपने कामकाज की गति बढ़ाने के लिए भी सक्रिय हो गया है। 17 अप्रैल को प्रस्तावित समीक्षा बैठक में छात्रवृत्ति वितरण में देरी, न्यायालयीन प्रकरणों की लंबित फाइलें और विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति पर विस्तृत चर्चा होगी। इस बैठक में आयुक्त, क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक, विश्वविद्यालयों के कुलसचिव और कॉलेजों के प्राचार्य शामिल होंगे। बैठक का एजेंडा तय कर लिया है, जिसमें लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे और योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन पर जोर रहेगा। विभाग ने साफ कर दिया है कि अब न्यायालयीन प्रकरणों और अवमानना मामलों को अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहने दिया जाएगा।

मेट्रो एंकर

हिंदी भवन में आयोजित हुआ 'पुस्तक से मिलिए' कार्यक्रम

पुस्तकें हमें जीवन दृष्टि और चिंतन के नवीन सूत्र देती हैं- कुमार सुरेश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पुस्तकें हमें जीवन दृष्टि और चिंतन के नवीन सूत्र देती हैं पुस्तकों का संसार और आधार प्राचीन समय से समृद्ध रहा है,पुस्तक संस्कृति का संवर्धन और संरक्षण हम सभी का दायित्व है।

यह उदगार हैं वरिष्ठ साहित्यकार कुमार सुरेश के जो लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल एवं अपना प्रकाशन द्वारा आयोजित 'पुस्तक से मिलिए' कार्यक्रम के प्रथम सत्र की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। आयोजन के आरम्भ में केंद्र निदेशक कांता रॉय ने स्वागत उदबोधन देते हुए इस आयोजन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। पुस्तक चर्चा के इस कार्यक्रम में 'हाइवे' लघुकथा संग्रह रचनाकार शेफालिका श्रीवास्तव पर समीक्षक लघुकथा लेखक डॉ. विनीता राहुरीकर ने कहा कि इस संग्रह की सभी लघुकथाएं हमारे जीवन और समाज का यथार्थ हैं। आयोजन में दूसरी पुस्तक जिस पर चर्चा हुई वह थी कांता राय के संपादन की 'दिल्ली दास्तां' इस कृति पर अपनी बात रखते हुए समीक्षक सुनीता प्रकाश ने कहा इस संग्रह की लघुकथाएं सिर्फ लघुकथा नहीं बल्कि दिल्ली महानगर का दस्तावेज हैं 7 इसी क्रम में लघुकथा संग्रह 'हाथी के दांत' लेखक सतीश चंद्र श्रीवास्तव पर चर्चा में भाग लेते हुए समीक्षक वंदना अतुल जोशी ने कहा कि यह लघुकथाएं हमारे जीवन के आसपास की सच्चाई को पाठकों के सामने लाती हैं। आयोजन के द्वितीय सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार रामराव वामनकर ने की। उन्होने कहा कि वर्तमान समय में साहित्यकारों के समक्ष लेखन की अनेक नवीन चुनौतियां हैं। पुस्तक 'जिंदगी की अदालत में' पर लघुकथाकार मनोरमा पंत ने अपने लेखन अनुभवों को साझा किया और वरिष्ठ साहित्यकार राजेश तिवारी ने उनकी इन लघुकथा को अपने समय के लिए बहुत जरूरी कथाएं बताया। आयोजन में वरिष्ठ साहित्यकार बिहारी लाल सोनी के कथा संग्रह 'बड़े बाबू की बेटी' पर अपने लेखन अनुभव साझा करते हुए अपनी सृजन यात्रा के सबंध में विचार रखे। वरिष्ठ समीक्षक गोकुल सोनी ने संग्रह की कहानियों पर अपनी बात रखते हुए उनके शीर्षक से कथानक एवं भाषा पर बात करते हुए इन्हें सहज सरल जीवन की जरूरी कथाएं बताया। कार्यक्रम का संचालन घनश्याम मैथिल 'अमृत' ने किया और कार्यक्रम के अंत में ज्योति करंजगांवकर ने सभी उपस्थित जनो का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में डॉक्टर विनीता राहुरीकर को लघुकथा प्रतियोगिता में चयनित उनकी श्रेष्ठ लघुकथा चयन हेतु इस अवसर पर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दो सांदीपनि विद्यालयों का किया लोकार्पण, बोले

बेटियों और बहनों के विकास से होगा समग्र विकास संभव

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बेटियों और बहनों के विकास के बिना समग्र विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। स्वतंत्रता के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पहली बार नारी सशक्तिकरण का बड़ा कार्य इसी माह होने जा रहा है। अब लोकसभा और विधानसभा में बहनों को 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा। इसके लिए संसद की विशेष तीन दिवसीय बैठक 16 अप्रैल से होने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हमारी सरकार अब तक लाड़ली बहन योजना के माध्यम से बहनों को 55 हजार करोड़ से अधिक राशि दे चुकी है। आज आष्टा से प्रदेश की 1.25 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में 1836 करोड़ रुपये अंतरित किये गये हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश में मातृ सत्ता की व्यवस्था है। अब प्रदेश में हर माह रक्षाबंधन मनाया जा रहा है। सीएम सीहोर जिले के आष्टा में महिला सशक्तिकरण सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सीएम ने दो सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण भी किया। उन्होंने कहा कि आष्टा की छात्राओं के लिए आज विशेष सौगात का दिन है। मुख्यमंत्री ने कन्या महाविद्यालय और कन्या विद्यालय में छात्रावास के साथ कन्या विद्यालय के भवन निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि राज्य सरकार बेटियों को अच्छे से अच्छी शिक्षण सुविधाएं प्रदान करेगी।

एमपी के दो सांसद केरल-तमिलनाडु में लड़ रहे विधानसभा चुनाव

कुरियन-मुरुगन जीते तो बदलेगा समीकरण, प्रदेश की चार राज्यसभा सीटों पर कराने पड़ेंगे चुनाव

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश की सियासत में इन दिनों सबकी नजरें दक्षिण भारत के चुनावी नतीजों पर टिकी हैं। इसकी वजह यह है कि मध्य प्रदेश से राज्यसभा के दो सांसद जॉर्ज कुरियन और डॉ. एल मुरुगन केरल और तमिलनाडु से विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। यदि ये दोनों नेता अपनी-अपनी सीटें जीत जाते हैं, तो मध्य प्रदेश में राज्यसभा चुनाव का समीकरण पूरी तरह बदल जाएगा और खाली होने वाली सीटों की संख्या तीन से बढ़कर चार हो सकती है।

खाली होने वाली सीटों का गणित- वर्तमान में मध्य प्रदेश से राज्यसभा की तीन सीटें आधिकारिक तौर पर खाली होना तय मानी जा रही हैं। इनमें दिग्विजय सिंह, डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी और जॉर्ज कुरियन का कार्यकाल शामिल है, जो 9 अप्रैल को समाप्त हो चुका है।

हालांकि, पेंच चौथी सीट पर फंसा है। वर्तमान में केंद्रीय मंत्री डॉ. एल मुरुगन का राज्यसभा कार्यकाल अभी 4 साल (अप्रैल 2030 तक) बाकी है। नियम के अनुसार यदि वे तमिलनाडु से विधानसभा चुनाव जीत जाते हैं, तो उन्हें राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देना होगा। ऐसी स्थिति में मध्य प्रदेश की चौथी राज्यसभा सीट भी खाली हो जाएगी और उस पर उपचुनाव की नौबत आएगी।

मप्र के नेताओं के लिए खुल सकते हैं टीम मोदी के द्वार

4 मई को आने वाले चुनावी नतीजे न केवल इन दोनों नेताओं का भविष्य तय करेंगे, बल्कि मध्य प्रदेश भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं के लिए भी नए अवसर खोल सकते हैं। चर्चा है कि यदि केंद्रीय मंत्रिमंडल से इन दो चेहरों की विदाई होती है, तो मोदी कैबिनेट में मध्य प्रदेश के किसी नए चेहरे को जगह मिल सकती है। कई वरिष्ठ नेता और प्रदेश के कुछ दिग्गज नाम पहले से ही दिल्ली की दौड़ में शामिल बताए जा रहे हैं।

सुमेर की जगह आदिवासी नेता की तलाश

एमपी में होने वाले राज्यसभा के चुनाव में उम्मीदवारों के नामों पर मंथन चल रहा है। सुमेर सिंह सोलंकी की जगह आदिवासी नेता की खोजबीन चल रही है। पिछले बार राज्यसभा चुनाव के पहले राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष हर्ष चौहान का नाम तय हो गया था लेकिन, उन्होंने बीमारी के कारण राज्यसभा जाने से इनकार कर दिया था। उस समय पूर्व मंत्री रंजना बघेल का नाम भी चर्चा में आया था। फिर पार्टी ने डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी का नाम राज्यसभा के लिए तय किया था। इस बार पार्टी में अंदरूनी तौर पर आदिवासी नेताओं के नामों पर मंथन चल रहा है। संघ की ओर से कुछ नामों पर चर्चा हुई है।

कुरियन जीते तो मेनन जा सकते हैं राज्यसभा

बीजेपी के एक सीनियर लीड़र बताते हैं कि बीजेपी के पास जो दो सीटें हैं उनमें से एक पर जॉर्ज कुरियन सांसद हैं। वे केरल से विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। अगर कुरियन जीत जाते हैं तो एमपी से बीजेपी के पूर्व प्रदेश संगठन महामंत्री अरविंद मेनन को भी राज्यसभा भेजा जा सकता है। मेनन भी केरल के रहने वाले हैं।

दिग्विजय वाली सीट पर उम्मीदवार उतारेगी बीजेपी

- एमपी में कांग्रेस के कब्जे वाली राज्यसभा सीट से दिग्विजय सिंह सांसद हैं। वे राज्यसभा जाने से इनकार कर चुके हैं।
- इसके बाद कांग्रेस में एक दर्जन नेता दावेदार हैं। इस सीट को जीतने के लिए 58 विधायकों की जरूरत है।
- विधानसभा में आंकड़ों के हिसाब से बीजेपी के 164, कांग्रेस के 65 और एक भारत आदिवासी पार्टी के विधायक हैं।
- बीना विधायक निर्मला सप्रे दलबदल के भंवर में झूल रहीं हैं।
- दतिया विधायक राजेंद्र भारती को सजा सुनाए जाने के बाद उनकी सीट रिक्त घोषित हो चुकी है।
- विजयपुर विधायक मुकेश मल्होत्रा को आपराधिक मामले छिपाने के मामले में मतदान से वंचित रहना होगा।
- कांग्रेस के पास वर्तमान में 62 विधायक बचे हैं।
- यदि चार-पांच विधायक इधर से उधर हुए तो कांग्रेस की राज्यसभा सीट खतरे में पड़ सकती है।

शिक्षकों को मंत्री की सलाह, सुप्रीम कोर्ट जाएं

सीएम अनुरोध यात्रा से पहले सरकार में अलग-अलग सुर, एससी के फैसले पर टिकी नजर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

18 अप्रैल को प्रस्तावित शिक्षकों की मुख्यमंत्री अनुरोध यात्रा से पहले प्रदेश सरकार के दो मंत्रियों के अलग-अलग बयान सामने आने से मामला और गरमा गया है। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने साफ शब्दों में कहा है कि सरकार सुप्रीम कोर्ट में लगी पुनर्विचार याचिका के फैसले का इंतजार कर रही है, इसके बाद फैसला लिया जाएगा। किसी भी तरह के धरना-प्रदर्शन से इस फैसले में बदलाव संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि शिक्षक एक दिन धरना दें या 100 दिन तक आंदोलन करें, इससे कुछ नहीं होने वाला। अगर उन्हें राहत चाहिए तो उन्हें सीधे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना चाहिए। सरकार कोर्ट के आदेश के खिलाफ जाकर अवमानना (कंटेम्प्ट) में नहीं फंसना चाहती।

सिंह ने यह भी कहा कि विधि विभाग से परामर्श लिया जा चुका है और सरकार अपनी सीमाओं के भीतर रहकर ही निर्णय ले सकती है। उन्होंने शिक्षक संगठनों से अपील की कि वे अपनी ऊर्जा धरना-प्रदर्शन में खर्च करने के बजाय पुनर्विचार याचिका के माध्यम से न्यायालय में प्रयास करें।

वहीं दूसरी ओर, शाजापुर में आयोजित शिक्षक सम्मेलन में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार का बयान अपेक्षाकृत अलग नजर आया। उन्होंने कहा कि पात्रता परीक्षा को लेकर स्थिति क्लियर करने की जरूरत है। इसको लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से प्रदेश के सभी शिक्षक प्रभावित नहीं हैं, बल्कि केवल 2005 के पहले नियुक्त लगभग 70 हजार शिक्षक ही इसके दायरे में आते हैं। इसमें जनजाति कार्य विभाग के शिक्षक भी शामिल हैं।

पात्रता परीक्षा को लेकर फैलाया जा रहा भ्रम

परमार ने स्पष्ट किया कि पात्रता परीक्षा (टेट) को लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है। 2005 के बाद नियुक्त सभी शिक्षकों ने यह परीक्षा दी है, इसलिए उन पर यह नियम लागू नहीं होता। उन्होंने कहा कि यह मामला पश्चिम बंगाल के केस के आधार पर बना है। पश्चिम बंगाल के लोग सुप्रीम कोर्ट गए हैं उस पर पुनर्विचार हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार इस मामले में सीधे तौर पर हस्तक्षेप नहीं कर सकती और फिलहाल सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार किया जा रहा है।

जबलपुर में सड़क निर्माण में बड़ा खेल

6.17 करोड़ रुपये के काम में मानकों की धज्जियां, गलत बिटुमेन ग्रेड ने खोली पोल

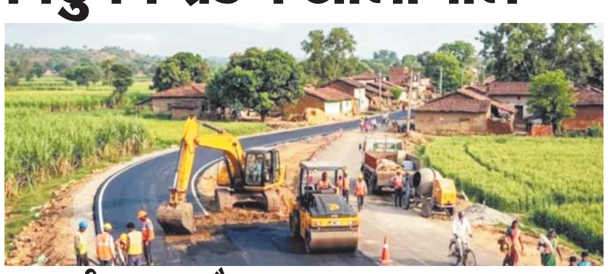

सड़क की गुणवत्ता और टिकाऊपन पर खतरा

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

लोक निर्माण विभाग के सड़क निर्माण कार्यों में गुणवत्ता को लेकर एक और गंभीर मामला सामने आया है। लेखापरीक्षा में खुलासा हुआ है कि जबलपुर में पॉलीमर मॉडिफाइड बिटुमेन (पीएमबी) के उपयोग में भारतीय मानक (आईएस) कोड का पालन नहीं किया गया, जिससे कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं।

क्या है मामला- रिपोर्ट के अनुसार, आईएस-15462-2004 के तहत पीएमबी तैयार करने के लिए 30-50 पेनेरेशन ग्रेड बिटुमेन का उपयोग अनिवार्य है। इसके विपरीत, जबलपुर संभाग के एनडीबी पैकेज-15 में 60/70 ग्रेड बिटुमेन का उपयोग कर पीएमबी-40 तैयार किया गया, जो स्पष्ट रूप से मानकों का उल्लंघन है।

लेखापरीक्षा (जून 2024) में पाया गया कि इस कार्य में करीब 12,365.78 घन मीटर बिटुमिनस कंक्रीट (बीसी) के लिए 1,669.38 मीट्रिक टन पीएमबी का उपयोग किया गया, जिसकी लागत लगभग 6.17 करोड़ रुपये है। गलत ग्रेड के उपयोग के कारण यह पूरा कार्य अवमानक श्रेणी में आ गया।

गुणवत्ता और टिकाऊपन पर सीधा असर- विशेषज्ञों के अनुसार, गलत ग्रेड बिटुमेन के उपयोग से सड़क की गुणवत्ता और टिकाऊपन पर सीधा असर पड़ता है। खासकर भारी यातायात वाली सड़कों पर इससे सड़क की उम्र कम हो सकती है और जल्दी खराब होने का खतरा बढ़ जाता है।

कोई स्पष्ट टिप्पणी नहीं दी गई

मामले में शासन की ओर से कोई स्पष्ट टिप्पणी नहीं दी गई। हालांकि, संबंधित अधिकारियों ने तर्क दिया कि पीएमबी-40 के निर्माण में अंतिम उत्पाद का पेनेरेशन 30-50 के बीच रखा जाता है। लेखापरीक्षा ने इस जवाब को खारिज करते हुए कहा कि मूल रूप से 60/70 ग्रेड बिटुमेन का उपयोग करना ही मानकों के खिलाफ है। इससे गुणवत्ता और प्रदर्शन में असंगति का खतरा बना रहता है, जो सड़क की संरचनात्मक स्थिरता को प्रभावित कर सकता है।

एमपी पुलिस में बड़ा प्रमोशन... राज्य पुलिस सेवा के नौ अधिकारी बनेंगे IPS 27 अधिकारियों के भेजे जाएंगे नाम

भोपाल। मध्य प्रदेश को वर्ष 2026 में नौ आइपीएस अधिकारी और मिलेंगे। इसके लिए गृह विभाग ने राज्य पुलिस सेवा से आइपीएस संवर्ग में नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। पुलिस मुख्यालय से 27 अधिकारियों के अभिलेख मांगे हैं। इनका परीक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के अनुमोदन से संघ लोक सेवा आयोग को प्रस्ताव भेजा जाएगा। विभाग का प्रयास यह है कि अगस्त-सितंबर में विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक हो जाए। राज्य पुलिस सेवा से आइपीएस संवर्ग में नियुक्त हुए अधिकारियों की सेवानिवृत्ति पर जो पद उपलब्ध होते हैं, उतने ही अगले वर्ष फिर विभागीय पदोन्नति की प्रक्रिया के माध्यम से भरे जाते हैं। 2025 में नौ अधिकारी सेवानिवृत्त हुए, जिनके स्थान पर राज्य पुलिस सेवा के नौ अधिकारियों को आइपीएस संवर्ग में नियुक्ति का अवसर मिलेगा। सूत्रों का कहना है कि इसमें 1998 से 2000 बैच के अधिकारी होंगे। 2024 की डीपीसी में कुछ नाम रोक दिए गए थे, उन्हें इस वर्ष अवसर दिया जा सकता है। सेवा अभिलेख के आधार पर नामों का चयन होगा और मुख्यमंत्री के अनुमोदन से प्रस्ताव संघ लोक सेवा आयोग को भेजा जाएगा।

ओंकारेश्वर में एकात्म पर्व का आयोजन

700 युवा बनेंगे शंकरदूत, आचार्य शंकर प्रकटोत्सव में सीएम करेंगे विद्वानों का सम्मान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ओंकारेश्वर स्थित मांधाता पर्वत की पवित्र गोद में आगामी 17 से 21 अप्रैल तक आचार्य शंकर प्रकटोत्सवः एकात्म पर्व का भव्य आयोजन होने जा रहा है। आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास और संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस पंच दिवसीय उत्सव में ज्ञान, भक्ति और दर्शन की त्रिवेणी बहेगी। इस महोत्सव में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ द्वारका पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती और जूनापीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि जैसे प्रख्यात संत शिरकत करेंगे। कार्यक्रम का मुख्य केंद्र अद्वैतामृतम् - विमर्श सभा होगी। इसमें अद्वैत वेदांत की समकालीन प्रासंगिकता पर विद्वान अपने विचार रखेंगे। विशेष रूप से 17 अप्रैल को अद्वैत एवं जेन जी और 19 अप्रैल को अद्वैत एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे नवाचारी विषयों पर युवा विशेषज्ञों और संतों के बीच सीधा संवाद होगा। उत्सव के अंतिम दिन, 21 अप्रैल (वैशाख शुक्ल पंचमी) को नर्मदा तट पर एक ऐतिहासिक दीक्षा समारोह होगा। इसमें देश-विदेश के 700 से अधिक युवा शंकरदूत के रूप में संकल्प लेंगे। इसी अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव अद्वैत वेदांत के प्रचार-प्रसार में अतुलनीय योगदान देने के लिए स्वामी तेजोमयानंद सरस्वती और गौतम भाई पटेल को सम्मानित करेंगे।

वैश्विक केंद्र बनता एकात्म धाम

ओंकारेश्वर अब वैश्विक स्तर पर अद्वैत दर्शन के केंद्र के रूप में उभर रहा है। यहाँ प्रथम चरण के तहत 108 फीट ऊँची स्टैचू ऑफ वननेस स्थापित हो चुकी है। वहीं, द्वितीय चरण में 2,195 करोड़ रुपये की लागत से अद्वैत लोक संग्रहालय का निर्माण तेज़ी से चल रहा है, जो आने वाले समय में शांति और एकात्मता का वैश्विक प्रतीक बनेगा।

दोपहर मेट्रो

इंदौर चिड़ियाघर में बनेगी अंडर वॉटर टनल

दुबई और सिंगापुर की तर्ज पर 35 करोड़ का बनेगा मॉडल

इंदौर, दोपहर मेट्रो

इंदौर के चिड़ियाघर में पर्यटकों को जल्द ही समुद्र की गहराई का अहसास होगा क्योंकि यहां 35 करोड़ रुपये की लागत से एक अत्याधुनिक एक्वेरियम का निर्माण किया जा रहा है। प्रशासन ने इस बड़े प्रोजेक्ट के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है और उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले चार से पांच महीनों के भीतर धरातल पर काम शुरू हो जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए चिड़ियाघर परिसर में ही दो एकड़ की भूमि आरक्षित कर दी गई है।

समुद्री मछलियों के लिए बनेगा विशेष खारा पानी-इस एक्वेरियम में सैकड़ों प्रजातियों की समुद्री मछलियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इन मछलियों के अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए चिड़ियाघर में ही कृत्रिम रूप से समुद्री यानी खारा पानी तैयार किया जाएगा। विशेषज्ञों के अनुसार जल को खारा बनाने की इस प्रक्रिया में लगभग 45 दिन का समय लगेगा। यहां दुर्लभ प्रजातियों को रखने की योजना है ताकि दर्शकों को एक नया अनुभव मिल सके।

दुबई और सिंगापुर जैसी अंडर वॉटर टनल-इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी खासियत यहां बनने वाली अंडर वॉटर टनल होगी जिसे सिंगापुर और दुबई के प्रसिद्ध एक्वेरियम की तर्ज पर बनाया जाएगा। यह ग्लास टनल 20 से 50 मीटर लंबी होगी जिसमें चलते हुए पर्यटक अपने चारों ओर मछलियों को तैरते हुए देख सकेंगे। इसके साथ ही यहां एक आधुनिक टॉवर का निर्माण भी किया जाएगा और साहसिक गतिविधियों के शौकीनों के लिए स्कूबा डाइविंग की विशेष व्यवस्था भी उपलब्ध रहेगी।

पीपीपी मॉडल पर आधारित निर्माण प्रक्रिया

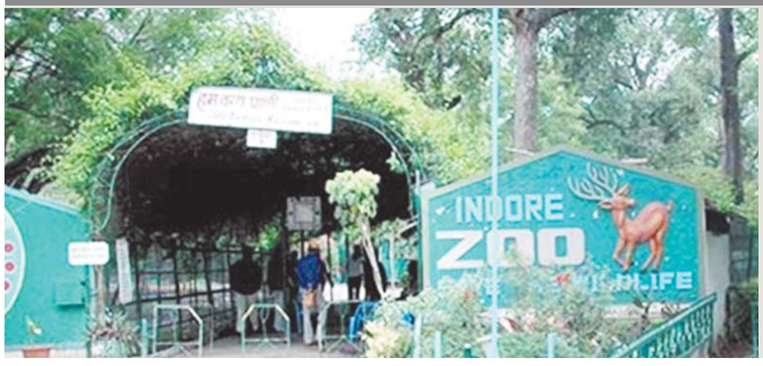

चिड़ियाघर प्रभारी नंदकिशोर पहाड़िया ने जानकारी दी कि इस पूरे प्रोजेक्ट को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप यानी पीपीपी मॉडल के तहत पूरा किया जाएगा। विभाग का लक्ष्य है कि मानसून के बाद इसका निर्माण कार्य तेजी से शुरू कर दिया जाए। रविवार जैसे व्यस्त दिनों में जब चिड़ियाघर में दर्शकों की संख्या 25 हजार तक पहुंच जाती है, तब भीड़ प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए एक्वेरियम का डिजाइन तैयार किया गया है। बच्चों के मनोरंजन और ज्ञानवर्धन के लिए भी यहां अलग से विशेष जोन बनाए जाएंगे।

पूरब का संघर्ष

पश्चिम एशिया की सुर्खियों में छाए संघर्षों के बीच पूर्वी एशिया में एक ऐसा संकट चुपचाप गहराता जा रहा है, जिसकी अनदेखी आने वाले समय में भारी पड़ सकती है। म्यांमार आज न केवल राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा है, बल्कि वह एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां लोकतंत्र, संप्रभुता और मानवीय मूल्यों के भविष्य पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लग चुके हैं। सैन्य नेतृत्व द्वारा नियंत्रित राजनीतिक प्रक्रिया के परिणामस्वरूप मिन मांग लैंग का राष्ट्रपति बनना किसी सामान्य लोकतांत्रिक बदलाव का संकेत नहीं है। यह उस प्रणाली का प्रतीक है, जहां चुनाव तो होते हैं, लेकिन विकल्प सीमित कर दिए जाते हैं। विपक्ष को हाशिए पर धकेलकर हासिल की गई वैधता, दरअसल वैधता का भ्रम भर है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या सत्ता की यह मजबूती वास्तव में स्थिरता का संकेत है या भीतर ही भीतर बढ़ते असंतोष की आहट? म्यांमार के भीतर की स्थिति किसी एक आयाम तक सीमित नहीं है। सेना के भीतर असंतोष, स्थानीय विद्रोही समूहों की सक्रियता और प्रशासनिक दबाव इस बात की ओर इशारा करते हैं कि सत्ता का केंद्रीकरण जितना मजबूत दिखता है, उतना है नहीं। इसके साथ ही चीन पर बढ़ती निर्भरता एक नई रणनीतिक उलझन पैदा कर रही है। यह झुकाव न केवल म्यांमार की स्वायत्तता को सीमित करता है, बल्कि घरेलू असंतोष को भी हवा दे सकता है। सबसे चिंताजनक पहलू है मानवीय संकट। विस्थापन, बेरोजगारी और गरीबी का फैलता दायरा इस बात का संकेत है कि राज्य की प्राथमिकताएं और जनता की जरूरतें एक-दूसरे से दूर होती जा रही हैं। मिजोरम में बढ़ती शरणार्थियों की संख्या केवल एक मानवीय चुनौती नहीं, बल्कि सामाजिक और सुरक्षा संतुलन की परीक्षा भी है। सीमा पार हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी ने इस संकट को और जटिल बना दिया है। भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति, जो क्षेत्रीय संपर्क और आर्थिक विस्तार का आधार है, म्यांमार की स्थिरता पर ही टिकी है। कलादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट जैसी परियोजनाएं केवल विकास के साधन नहीं, बल्कि रणनीतिक निवेश हैं। लेकिन जब जमीन पर अस्थिरता बढ़ती है, तो ये योजनाएं भी अनिश्चितता के घेरे में आ जाती हैं। क्या म्यांमार को एक दूरस्थ समस्या मानकर नजरअंदाज किया जाएगा, या इसे अपनी पूर्वी सीमाओं की स्थिरता से जोड़कर देखा जाएगा?

संसद और विधायिकाओं में महिलाओं के प्रभुत्व की तैयारी से विचलित पार्टियां और नेता

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी रणनीति के तहत संसदऔर विधायिकाओं में महिलाओं के प्रभुत्व यानी 33 प्रतिशत अनिवार्य भागेदारी का निर्णायक फैसला पेश कर दिया। संसद से विधान सभाओं तक सीधे न सही कुछ न कुछ बहानों, तर्कों क़ानूनी दांव पेंचों से कुछ राजनीतिक पार्टियां और उनके नेता नए कानून को पारित कराने और लागू करने में अड़ंगे लगाएंगे। संसद में मोदी सरकार यानी भाजपा गठबंधन के पास पर्याप्त गठबंधन है। अप्रैल में संसद से पारित होने के बाद भाजपा गठबंधन वाले 19 राज्यों की विधान सभाओं में भी उसके पास बहुमत है। संवैधानिक रुप से 28 राज्यों में से पचास प्रतिशत में पारित होने पर नया कानून लागू हो सकता है। यह विश्व के लोकतान्त्रिक इतिहास का नया स्वर्णिम अध्याय होगा। संविधान निर्माण के समय भी यह विचार सामने आया था कि अनुसूचित जाति जनजाति के आरक्षण की तरह

विधायिका में महिलाओं के प्रतिनिधित्व के लिए आरक्षण हो। फिर एक महिला स्वतंत्रता सेनानी ने ही इस प्रस्ताव से असहमति व्यक्त इस आधार पर की कि इसका अर्थ यह न हो कि हमने सत्ता के लिए आजादी के आंदोलन में हिस्सा लिया। इस तरह संविधान में प्रावधान नहीं हुआ। लगभग 70 वर्षों तक इस मुद्दे पर चर्चाएं होती रही।

लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित नहीं है; यह प्रतिनिधित्व की समानता पर आधारित होता है। यदि समाज की आधी आबादी—महिलाएँ—निर्णय लेने वाली संस्थाओं में पर्याप्त संख्या में उपस्थित नहीं हैं, तो लोकतंत्र अधूरा रह जाता है। आज विश्व स्तर पर संसदों में महिलाओं की भागीदारी लगभग 27% है, यानी लगभग हर चार सांसदों में केवल एक महिला। वास्तविक संख्या में देखें तो दुनिया भर में लगभग 11,500 से अधिक महिलाएँ सांसद हैं, जबकि कुल सांसदों की संख्या 40,000 से अधिक है।

में लगभग 4,000 महिलाएँ सांसद (11%) थी और 2025 में लगभग 11,500+ महिलाएँ सांसद (27%) हो गई। तीन दशकों में संख्या लगभग तीन गुना बढ़ी, लेकिन अभी भी समानता से काफी दूर है। अमेरिका में दोनों सदनों के 535 सदस्यों में लगभगग 150 महिलाएं है। ब्रिटेन के हाउस ऑफ कामन्स और हाउस ऑफ लॉर्ड्स के कुल 1430 सदस्यों में 455 महिलाएं हैं। यह लगभग 35 प्रतिशत है। फ्रांस की संसद के 925 सदस्यों में 335 महिलाएं हैं। जर्मनी की संसद के 805 सदस्यों में 285 महिलाएं हैं। दूसरी तरफ आधुनिक होने के बावजूद जापान की संसद के 713 सदस्यों में केवल 105 महिलाएं हैं। इसी तरह भारत की संसद के दोनों सदनों में फिलहाल 788 सदस्यों में करीब 245 महिलाएं हैं। इस तरह जापान और भारत में केवल 15 प्रतिशत महिलाएं हैं। जबकि देश में महिला मतदाता करीब 50 प्रतिशत है। कम प्रतिनिधित्व का कारण राजनीतिक दलों द्वारा कम टिकट देना, सामाजिक बाधाएँ और सुरक्षा और राजनीतिक हिंसा बताया जाता रहा।

लगभग 788 सांसदों में करीब 110 महिलाएँ हैं। यह संख्या न केवल वैश्विक औसत से कम है, बल्कि लोकतांत्रिक आदर्शों से भी पीछे है। महिला आरक्षण विधेयक वर्षों तक लंबित रहा। यह विधेयक पहली बार 1996 में संसद में पेश किया गया। अंततः नए रूप में यह कानून बन पाया 2023 में। यानी यह कानून लगभग 27 वर्षों तक लंबित रहा।यह बिल कुल 6-8 बार संसद में पेश हुआ लेकिन हर बार अटक गया। 1996 में पहली बार पेश, लेकिन लोकसभा भंग होने से समाप्त हुआ।

1998 में दुबारा पेश होकर पास नहीं हुआ। 1999, 2002, 2003 में भी अटकता रहा। 2008 में राज्य सभा में पेश होकर 2010 में राज्यसभा से पास हुआ, लेकिन लोक सभा में पारित नहीं हुआ। कांग्रेस गठबंधन के सहयोगी दलों ने महिला आरक्षण में भी जातीय आधार पर एक हिस्सा रखने का दबाव बनाया। लालू यादव मुलायम सिंह यादव जैसे नेताओं की पार्टियों ने इस तरह कानून में ब्रेक लगाया। खैर मोदी सरकार आने के बाद 2023 में दोनों सदनों से पास होकर कानून बना, लेकिन लागू करने की समय सीमा जनगणना से जुड़ी होने के कारण लागू नहीं हुआ। इसलिए अब नई जनगणना की प्रतीक्षा न करके 2011 की जनसंख्या के आधार पर 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का निर्णय मोदी सरकार ने ले लिया।

इसका आधार देश की ग्राम पंचायतों में महिला पंचों की सफल भूमिका रही। गुजरात महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में महिलाओं ने ग्रामीण विकास और सुधार कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1992 में संविधान संशोधन करके पंचायतों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया था। फिर 2006 में बिहार में नीतीश कुमार की सरकार ने पंचायतों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान कर दिया। इसके बाद 20 से अधिक राज्यों ने 50 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था कर दी। केंद्र सरकार अधिक सफल महिला सरपंचों को सम्मानित करने लगी है। हाल के वर्षों के दौरान गांवों में स्वच्छता अभियान, शौचालय निर्माण, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं आदि में महिलाओं बहुत योगदान दिया है। खासकर आदिवासी इलाकों में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिले हैं।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात से केंद्र की सत्ता में आने पर लगातार महिलाओं के कल्याण, सामाजिक आर्थिक लाभ, सुविधाएं देने के अनेक कार्यक्रम लागू करते रहे और महिलाओं में उनकी लोकप्रियता सर्वाधिक है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 में 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। यदि सही तरीके से लागू किया गया, तो लोकसभा में महिलाओं की संख्या 74 से बढ़कर 181 हो जाएगी—जो भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में सबसे बड़ा परिवर्तन होगा। महिला आरक्षण कानून के लागू होने के बाद संसद में हर 3 में 1 सांसद महिला होगी। नीति निर्धारण में बदलाव आएगा। लोकतंत्र तब ही पूर्ण होगा, जब संसद में भी समाज की वास्तविक संरचना दिखे। और जब आधी आबादी को आधा प्रतिनिधित्व मिलेगा, तभी भारत सच्चे अर्थों में समावेशी लोकतंत्र कहला सकेगा। इसी तरह राज्य विधान सभाओं में औसत अनुमान के अनुसार 4,120 सदस्यों में 1360 महिलाएं हो जाएंगी। लेकिन कांग्रेस और उसके अन्य प्रतिपक्षी दलों को सबसे बड़ी तकलीफ यही है कि महिलाओं के इस क्रांतिकारी कदम का श्रेय उन्हें मिलेगा। उनकी भारतीय जनता पार्टी को 2029 के लोक सभा और बाद में विधान सभाओं में इसका लाभ मिल सकता है। यही नहीं सामंती जातीय कट्टरपंथी विचारों वाले नेताओं को महिलाओं के वर्चस्व पर भी तकलीफ है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

जलियांवाला बाग हत्याकांड स्मृति दिवस

जलियांवाला बाग़: आजादी की वो कीमत जिसे कभी नहीं भूलेगा हिन्दुस्तान

दिलीप कुमार पाठक
स्तंभकार

इतिहास के पन्नों में कुछ तारीखें ऐसी होती हैं जो स्याही से नहीं, बल्कि इंसानी लहू से लिखी जाती हैं। 13 अप्रैल 1919 की वह मनहूस शाम भी एक ऐसी ही तारीख थी, जिसने न केवल पंजाब की मिट्टी को लाल किया, बल्कि सोए हुए समूचे हिंदुस्तान की सोई हुई आत्मा को भी झकझोर कर रख दिया। अमृतसर का वह छोटा सा मैदान, जिसे दुनिया आज जलियांवाला बाग के नाम से जानती है, महज़ ईंट-पत्थरों का बना कोई स्मारक नहीं है। वह गवाह है उस अमानवीय बर्बरता का जिसे सुनकर आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं, और वह प्रतीक है उस अटूट हौसले का जिसने दुनिया के सबसे बड़े ब्रिटिश साम्राज्य के पतन की नींव रख दी थी।

बैसाखी का पावन दिन था। पंजाब के गाँवों और शहरों में उत्सव का माहौल होना चाहिए था। लोग नए कपड़े पहनकर मेलों की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन अमृतसर की हवाओं में एक अजीब सी बेचैनी घुली हुई थी। पूरा देश रोलेट एक्ट जैसे काले कानून के खिलाफ गुस्से में उबल रहा था, जिसने बिना दलील और बिना वकील के किसी को भी जेल भेजने की ताक़त अंग्रेज़ों को दे दी थी। इसी अन्याय के खिलाफ अपनी शांतिपूर्ण आवाज़ दर्ज कराने के लिए शाम के वक्त करीब बीस हज़ार लोग उस बाग में इकट्ठा हुए थे। उस विशाल भीड़ में मासूम बच्चे थे, अपने परिवारों के साथ आई महिलाएँ थीं और वे बुजुर्ग भी थे जो अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में माथा टेकने के बाद सुस्ताने के लिए वहाँ रुके थे।

किसी को भी इस बात का रत्ती भर भी अंदाजा नहीं था कि अगले कुछ मिनट उनकी ज़िंदगी के आखिरी पल साबित होने वाले हैं। शाम के करीब सवा पांच बज रहे थे, जब अचानक जनरल रेजिनल्ड डायर अपने नब्बे सशस्त्र सैनिकों के साथ उस बेहद संकरे रास्ते से दाखिल हुआ, जो बाग के अंदर आने और बाहर जाने का एकमात्र मार्ग था। उसने न तो भीड़ को तितर-बितर होने की कोई चेतावनी दी और न ही शांति की कोई अपील की। उसने बस पत्थर दिल होकर एक क्रूर आदेश दिया—फायर! अगले दस मिनट तक जो मंजर वहाँ दिखा, वह मानवता के इतिहास पर सबसे गहरा और बदनुमा कलंक था। सैनिकों की रायफलें तब तक आग उगलती रहीं जब तक कि उनकी आखिरी गोली खत्म नहीं हो गई। बाग की दीवारें सात-आठ फीट ऊँची थीं और एकमात्र निकास द्वार पर मौत का पहरा था। लोग बदहवास होकर अपनी जान बचाने के लिए उन दीवारों पर चढ़ने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन डायर के सिपाही जानबूझकर उन्हीं को निशाना बना रहे थे। चीख-पुकार, धुएँ और मलबे के बीच, अपनी जान बचाने की जद्दोजहद में सैकड़ों लोगों ने उस पुराने कुएं में छलांग लगा दी, जिसे आज हम श्रद्धा से शहीदी कुआं कहते हैं। देखते ही देखते वह कुआं लाशों से पट गया। सरकारी रिकॉर्ड्स भले ही मरने वालों की संख्या 379 बताते हों, लेकिन हकीकत यह थी कि उस शाम हज़ारों घरों के चिराग हमेशा के लिए बुझ गए थे।

इस जघन्य हत्याकांड ने पूरी दुनिया की अंतरात्मा को हिलाकर रख दिया। यह वह ऐतिहासिक मोड़ था जहाँ से अंग्रेज़ों की भारत से विदाई की उल्टी गिनती शुरू हुई। इस घटना के विरोध में गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर ने अपनी नाइटहुड की उपाधि त्याग दी और महात्मा गांधी का वह विश्वास पूरी तरह टूट गया जो वे कभी अंग्रेज़ी न्याय प्रणाली में रखते थे। जलियांवाला बाग के इसी खूनी मंजर ने एक 15 साल के किशोर ऊधम सिंह के भीतर प्रतिशोध का ऐसा लावा भरा कि उन्होंने 21 साल तक इस अपमान की आग को अपने सीने में जलाए रखा। अंततः साल 1940 में लंदन के कैक्सटन हॉल में जाकर उन्होंने जनरल ओडायर को मौत के घाट उतारा और दुनिया को बताया कि हिंदुस्तान अपने शहीदों का अपमान कभी नहीं भूलता।

आज, जब हम आज़ादी की खुली हवा में गर्व से सांस लेते हैं, तो हमें उन दीवारों की ओर एक बार ज़रूर देखना चाहिए जो आज भी गोलियों के निशानों को अपनी छाती पर लिए खड़ी हैं। वे निशान आज भी हमसे यह सवाल करते हैं कि जिस अखंड और मज़बूत भारत के लिए उन्होंने अपना सीना छलनी करवाया था, क्या हम आज उस विरासत को संभाल पा रहे हैं? 13 अप्रैल का यह दिन केवल इतिहास को दोहराने या शोक मनाने का नहीं है, बल्कि यह खुद के भीतर झाँकने और अपनी राष्ट्रीय ज़िम्मेदारियों को समझने का दिन है। उन शहीदों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम देश की एकता और अखंडता को किसी भी संकीर्ण सोच की भेंट न चढ़ने दें। जलियांवाला बाग की मिट्टी आज भी पवित्र है क्योंकि उसमें हमारे पुरखों का पसीना और लहू एक साथ मिला हुआ है। हमें यह हमेशा याद रखना होगा कि जिस आज़ादी का उत्सव हम मनाते हैं, उसकी जड़ें उसी बाग की नम और खूनी मिट्टी में कहीं गहरी धँसी हुई हैं। हिंदुस्तान उस महान बलिदान को कभी नहीं भूल सकता, और एक सजग नागरिक के तौर पर हमें भी इसे कभी विस्मृत नहीं होने देना चाहिए।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

प्रोटीन को पचाने में कठिनाई से भी हो सकते हैं गैस, कब्ज, पेट दर्द या मतली जैसे लक्षण

प्रोटीन मांसपेशियों यानी मसल्स के निर्माण, इम्यून सिस्टम को मजबूत करने और कोशिकाओं के विकास और उनकी रिपेयरिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लेकिन शरीर के लिए बेहद जरूरी प्रोटीन को कई लोगों का शरीर पचा नहीं पाता। इस स्थिति को 'प्रोटीन इनटॉलेरेंस' कहते हैं। पिछले कुछ सालों में प्रोटीन इनटॉलेरेंस और गाय के दूध के प्रोटीन से एलर्जी जैसी समस्याएं पाई जा रही हैं। ये समस्याएं खासकर बच्चों और कुछ वयस्कों में भी बढ़ी हैं।

प्रोटीन इनटॉलेरेंस एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर आहार में मौजूद कुछ प्रोटीन को ठीक से पचा नहीं पाता। इस स्थिति में यह समझना जरूरी है कि प्रोटीन इनटॉलेरेंस फूड एलर्जी से अलग है। एलर्जी में इम्यून सिस्टम किसी पदार्थ पर प्रतिक्रिया करता है, जबकि प्रोटीन इनटॉलेरेंस में पाचन तंत्र को प्रोटीन को पचाने में दिक्कत होती है।

गाय के दूध के प्रोटीन से एलर्जी: गाय के दूध के प्रोटीन से एलर्जी शिशुओं और छोटे बच्चों में अधिक पाई जाती है। यह एलर्जी वयस्कों में कम पाई जाती है, लेकिन कुछ लोगों में डेयरी प्रोटीन के प्रति एलर्जी होती है। इस स्थिति में इम्यून सिस्टम गाय के दूध में पाए जाने वाले प्रोटीन पर प्रतिक्रिया करता है, जिससे कई हेल्थ प्रॉब्लम शुरू हो जाते हैं। एलर्जी होने पर डेयरी प्रोडक्ट से परहेज करना, शिशुओं के लिए विशेष रूप से तैयार फॉर्मूला मिल्क और वयस्कों के लिए प्लांट बेस्ड डाइट का विकल्प फायदेमंद हो सकता है। गाय के दूध के प्रोटीन से होने वाली एलर्जी में आमतौर पर निम्नलिखित लक्षण दिखाई देते हैं- उल्टी या दस्त, त्वचा पर चकत्ते या खुजली, सांस लेने में कठिनाई, शिशुओं में लगातार रोना या पेट में बेचैनी।

वेजीटेरियन प्रोटीन पचाने में परेशानी : प्रोटीन से भरपूर दाल, चना, राजमा और सोया सेहत के लिए फायदेमंद माने जाते हैं, लेकिन कई लोगों को इन्हें खाने के बाद पाचन संबंधी परेशानी होती है। इसके कई कारण हो सकते हैं। उदाहरण के लिए- चना, राजमा जैसी चीजों में जटिल कार्बोहाइड्रेट और फाइबर होते हैं, जिनसे गैस बन सकती है। कुछ लोगों में इन्हें पचाने के लिए जरूरी डाइजेस्टिव एंजाइम की कमी हो सकती है। चना, राजमा, लोबिया जैसी चीजों को गलत तरीके से पकाने या अधिक मात्रा में खाने से लक्षण और बिगड़ सकते हैं। दाल या फलियों को ठीक से भिगोए बिना खाने से पेट फूलना, बेचैनी जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। दालों को भिगोने, अंकुरित करने या अच्छी तरह पकाने जैसी सरल विधियों से इन्हें पचाना आसान हो जाता है। प्रोटीन इनटॉलेरेंस से बचने के लिए एक साथ अधिक मात्रा में प्रोटीन का सेवन करने की बजाय धीरे-धीरे प्रोटीन का सेवन बढ़ाएं। पाचन में सुधार के लिए दालों और फलियों को अच्छी तरह भिगोकर और पकाकर खाएं। सिर्फ एक प्रकार के प्रोटीन पर निर्भर रहने की बजाय विभिन्न प्रकार के प्रोटीन स्रोतों को डाइट में शामिल करें। गट हेल्थ को बेहतर बनाने के लिए दही या फर्मेंटेड फूड जैसे प्रोबायोटिक्स का सेवन करें।

निशाना

'स्कूल, विद्यार्थी और गुरुजी'

क्रांतिदीप अलूने 'सूरज'

बजी फिर घंटी, गुलजार हुआ स्कूल,
प्यार से बच्चों ने तोरण द्वार सजाए है।।
समाई है दौलत बच्चों के प्यार में ही,
बुलाया तुमने और हम दौड़े चले आए हैं ।।
खुशियों से रौशन दुनिया में आपकी,
एक बार फिर हम, राम रतन धन लाए है ।।
जान लो, डाटा और नेट के जमाने के नौनिहालों,
हमने चपत और डांट के साथ डस्टर भी खाए हैं।।
खा कर डस्टर, मुश्किल से काबू किया गरम लहू
को, पता है हमें आपके चेहरे बहुत तमतमाए हैं ।।
ये डोर है, गुरु-शिष्य के स्नेह और मान की,
चाणक्य, चंद्रगुप्त, अर्जुन-द्रोण अमर हो पाए है।।
कितना सुकून है, सभी के चेहरों पर,
बरसों बाद फिर से बाल मन मुस्कुराए है।।
बच्चों की मुहब्बत की मासूम दुनिया में,
फलक पर आज, सारे सितारे उतर आए है ।।
तपती दुपहरी में रविवार को दिन में,
'सूरज' के साथ, जुगनू टिमटिमाए है।

यूज़र्स गाइड

अब फोन में डाउनलोड हो सकेगा AI बिना इंटरनेट के भी करेगा काम

कैसा हो अगर आज आप जिस AI का इस्तेमाल करते हैं, उसे अपने फोन पर डाउनलोड कर पाएं। यहां बात ऑनलाइन चलने वाली किसी ऐप की नहीं हो रही। हमारा मतलब है कि आप फोन पर पूरे के पूरे AI को ही डाउनलोड कर लें और फिर बिना इंटरनेट भी उसे आराम से इस्तेमाल कर सकें। भले यह बात साइंस फिक्शन जैसी लगे, लेकिन अब ऐसा संभव है। Google ने Edge Gallery नाम से एक ऐप लॉन्च किया है, जिसे आप किसी भी एंड्रॉयड या iPhone पर बहुत आसानी से डाउनलोड कर सकते हैं।

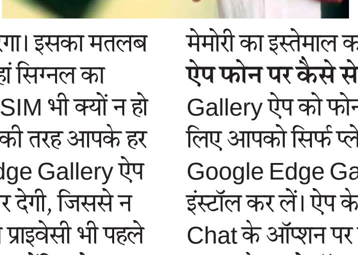

इसके बाद गूगल का AI मॉडल आपके फोन पर लोकल तरीके से काम करेगा। इसका मतलब है कि आप भले किसी ऐसे इलाके में हों जहां सिग्नल का नामोनिशान नहीं है या फिर आपके फोन में SIM भी क्यों न हो लेकिन आपका फोन एक स्मार्ट असिस्टेंट की तरह आपके हर सवाल का जवाब देता रहेगा। गूगल की Edge Gallery ऐप AI को सीधे आपके फोन की मेमोरी में उतार देगी, जिससे न सिर्फ आप डेटा बचा सकेंगे बल्कि आपकी प्राइवेसी भी पहले से कहीं ज्यादा सुरक्षित रहेगी। ऐसा इसलिए क्योंकि जो कुछ भी आप इस AI मॉडल से पूछेंगे वह जानकारी आपके फोन पर ही रहेगी और AI मॉडल जवाब भी बिना इंटरनेट इस्तेमाल किए ही देगा।

Edge Gallery गूगल की नई ऐप है, जो आपके फोन पर AI को डाउनलोड कर सकती है। ऐसे में आपके पास इंटरनेट न हो या फिर आप फ्लाइट मोड में हों, तब भी आप आसानी से AI का इस्तेमाल कर पाएंगे। इसके अलावा इस ऐप के जरिए आप जो भी सवाल-जवाब AI के साथ करते हैं, वह जानकारी इंटरनेट पर गूगल के सर्वर पर नहीं जाती। इसकी मदद से आप बिना नेटवर्क और डेटा खर्च किए AI का इस्तेमाल कर पाएंगे। ऐसे में यह ऐप आपके फोन को इनबिल्ट तरीके से ज्यादा स्मार्ट बना सकता है। इस ऐप पर एक फीचर Audio Scribe नाम से मिलता है। इसे आप मीटिंग या लेक्चर में इस्तेमाल कर सकते हैं। यह बिना इंटरनेट के भी बोली जा रही बातें सुनकर उन्हें ट्रांस्क्राइब और ट्रांसलेट कर सकता है। अगर आपके पास कोई बड़ा डॉक्यूमेंट है, तो आप इसकी मदद से बहुत ही आसानी से उसका शॉर्ट सारांश पा सकते हैं। यह काम पूरी तरह से आपके फोन की मेमोरी का इस्तेमाल करते हुए किया जाएगा।

ऐप फोन पर कैसे सेटअप करें?: Google Edge Gallery ऐप को फोन पर सेट करना बेहद आसान है। इसके लिए आपको सिर्फ प्ले स्टोर या ऐप स्टोर पर जाना है और फिर: Google Edge Gallery को सर्च करें। इसके बाद ऐप को इंस्टॉल कर लें। ऐप के इंस्टॉल होने के बाद सबसे ऊपर AI Chat के ऑप्शन पर क्लिक करें। अब Gemma-y-EwB-it नाम के पहले मॉडल को डाउनलोड कर लें। यह करीब 2.54 तक्कका मॉडल होगा, जो कि आपके फोन पर डाउनलोड होगा। इसके बाद Try It के बटन पर क्लिक करके आप इसे इस्तेमाल करना शुरू कर सकते हैं। इसके बाद Audio Scribe, Ask Image जैसे जिस भी AI मॉडल को आप डाउनलोड करना चाहें, उसे डाउनलोड करके बहुत आसानी से बिना इंटरनेट के इस्तेमाल कर सकेंगे। यह ऐप आपके फोन में AI को डाउनलोड करती है इसलिए यह स्टोरेज में से 2 से 4 तक्कतक इस्तेमाल कर सकती है।

वायरल वीडियो

फिटनेस की मिसाल बनी दादी, 75 साल की उम्र में लगाए जबरदस्त पुशअप्स

75 साल की दादी ने जिम में तगड़े पुशअप्स लगाकर साबित कर दिया कि उम्र सिर्फ एक नंबर है। उनका वायरल वीडियो देखकर लोग हैरान हैं और फिटनेस के लिए नई प्रेरणा ले रहे हैं। आज की तेज रफ्तार जिंदगी में फिट रहना हर किसी की जरूरत बन गया है, लेकिन सच्चाई यह है कि ज्यादातर लोग कुछ ही दिनों में जिम से दूरी बना लेते हैं। काम का दबाव, थकान और समय की कमी का बहाना बनाकर लोग अपनी सेहत को पीछे छोड़ देते हैं। वहीं जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, लोग यह मान लेते हैं कि अब शरीर को आराम देना ही बेहतर है। लेकिन इन धारणाओं को तोड़ती हुई एक 75 साल की दादी ने ऐसा उदाहरण पेश किया है, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे उनके वीडियो ने यह साबित कर दिया कि अगर मन मजबूत हो, तो उम्र सिर्फ एक संख्या बनकर रह जाती है।

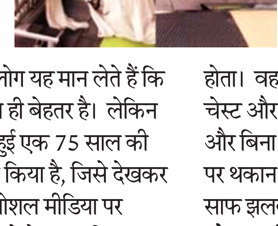

दरअसल, इंस्टाग्राम पर @getfitwithdadi नाम के अकाउंट से शेयर एक वीडियो शेयर किया गया है, इस वीडियो में एक दादी जिम में पूरे आत्मविश्वास के साथ वर्कआउट करती नजर आती हैं। सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि वह बिना रुके लगातार पुशअप्स लगाती दिख रही हैं। आमतौर पर यह एक्सरसाइज युवा लोगों के लिए भी आसान नहीं होती, लेकिन दादी जिस सहजता से इसे कर रही हैं, वह हर किसी को प्रेरित कर रहा है। इतना ही नहीं, वह जिम के अलग-अलग उपकरणों पर भी एक्सरसाइज करती नजर आती हैं। उनके मूव्स और संतुलन को देखकर लगता ही नहीं कि उनकी उम्र 75 साल है।

फिटनेस के साथ जुनून की भी मिसाल: यह वीडियो सिर्फ वर्कआउट का नहीं, बल्कि एक मजबूत इरादे का भी उदाहरण है। दादी यह दिखा रही हैं कि अगर आप ठान लें, तो कोई भी लक्ष्य मुश्किल नहीं होता। वह ना सिर्फ पुशअप्स कर रही हैं, बल्कि चेस्ट और बैक की एक्सरसाइज भी बिना रुके और बिना थके करती नजर आती हैं। उनके चेहरे पर थकान नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और खुशी साफ झलकती है।

सोशल मीडिया पर रिएक्शन: वीडियो को अब तक लगभग 20 लाख लोगों ने देख लिया है। वीडियो वायरल होते ही लोगों ने इस पर जमकर प्रतिक्रिया दी। कई यूजर्स ने दादी की तारीफ करते हुए लिखा- 'हमसे तो 10 पुशअप्स भी नहीं होते, दादी ने तो कमाल कर दिया.' कुछ ने मजाकिया अंदाज में कहा- 'ऐसी फिटनेस मिल जाए तो जिंदगी बन जाए।' वहीं एक यूजर ने यह भी लिखा कि आज की पीढ़ी इस उम्र तक पहुंचने से पहले ही हार मान लेती है।

न्यूज विंडो

अनिल मिहानी बने पूज्य सिंधी पंचायत के नए उपाध्यक्ष

इटारसी। पूज्य सिंधी पंचायत की महत्वपूर्ण बैठक में समाज के सक्रिय सदस्य अनिल मिहानी को सर्वसम्मति से उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया। संरक्षक मोहन मोरवानी ने उनका नाम प्रस्तावित किया, जिसे सभी सदस्यों ने एक स्वर में स्वीकार किया। उनके समाज हित में निरंतर योगदान को देखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी गई।बैठक में कार्यवाहक अध्यक्ष कैलाश नवलानी, सचिव मनीष वसानी, विधिक सलाहकार संतोष गुरयानी, उत्सव समिति अध्यक्ष गौरव फुलवानी सहित ऑडिट मनोज रामचंदानी, उपाध्यक्ष श्रीचंद खुरानी, श्याम शिवदासानी, पादुका समिति अध्यक्ष सुशील मेघानी, सह-सचिव नंदलाल चेलानी और सह-कोषाध्यक्ष ओम सोनी उपस्थित थे। सभी ने मिहानी को बधाई दी।नवनियुक्त उपाध्यक्ष अनिल मिहानी ने वरिष्ठों का आभार जताते हुए कहा कि वे पूर्ण निष्ठा से समाज उन्नति के लिए कार्य करेंगे। पंचायत के सभी प्रकल्पों को और प्रभावी बनाएंगे। उनके मनोनयन से युवाओं-वरिष्ठों में उत्साह छा गया है, सोशल मीडिया पर शुभकामनाओं की बौछार हो रही है।

सात मई से शुरू होगा संस्कृत भारती का प्रबोधन वर्ग

गंजबासौदा। विश्राम गृह में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। जिसमें संबोधित करते हुए वर्ग महाप्रबंधक यशवंत दुबे ने बताया कि संस्कृत भारती के तत्वाधान में मध्य भारत प्रांत का प्रबोधन वर्ग 7 मई से प्रारंभ होगा। इस वर्ग में मध्य भारत के विभिन्न जिलों से संस्कृत सीखने वाले शिक्षार्थियों को लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि वर्ग में उच्च कोटि के विद्वानों द्वारा सरल संस्कृत संभाषण एवं दक्षता का अभ्यास कराया जाएगा। इस आवासीय वर्ग का मुख्य उद्देश्य संस्कृत को जन-जन तक पहुंचाना और उसे व्यवहार की भाषा बनाना है। यशवंत दुबे ने कहा कि इस वर्ग में कौशल विकास के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने संस्कृत माता की सेवा के लिए पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। यह शिविर गंजबासौदा के लाल पठार स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित किया जाएगा। जिला शिक्षण प्रमुख भूपेंद्र कुमार सेन ने वर्ग की शिक्षण पद्धति एवं गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। वर्ग के सह प्रबंधक विनोद शर्मा ने वर्तमान समय में संस्कृत के महत्व और भविष्य में इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। वहीं नगर संयोजक अनिल चतुर्वेदी ने वर्ग की सफलता के लिए सभी से सहयोग की अपेक्षा की। बाल संस्कार केंद्र प्रमुख अभिलाषा चतुर्वेदी ने बताया कि छोटे बच्चों को संस्कार केंद्र के माध्यम से खेल-खेल में संस्कृत बोलना सिखाया जाता है।

अहिरवार समाज ने धूमधाम से मनाई महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती

इटारसी। अहिरवार समाज इटारसी ने नाला मोहल्ला भगत सिंह नगर में शिक्षा के अग्रदूत महात्मा ज्योतिबा राव फुले की जयंती उत्साहपूर्वक मनाई। कार्यक्रम की शुरुआत महात्मा फुले की तस्वीर पर पुष्पमाला अर्पित कर दीप प्रज्वलन से हुई। मुख्य वक्ता विनोद लोंगरे ने कहा कि विषम परिस्थितियों में महात्मा फुले ने दलित और पिछड़ों को शिक्षा का अधिकार दिलाया, बाल विवाह पर रोक लगाई, सत्य शोधक समाज की स्थापना की तथा विधवा विवाह को बढ़ावा दिया। कार्यक्रम का संचालन रोहित अहिरवार ने कुशलतापूर्वक किया, जबकि आभार वक्ता गोपाल मंसूरे रहे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मनोज बामने, संजय मंडराई, प्रहलाद निकम, ओमप्रकाश साकले, घनश्याम सालोकी, मामू सोनू बकोरिया, विकास अहिरवार, विजय राव उपस्थित रहे।

नर्मदापुरम में खेल मंत्री सारंग ने मल्टीस्पोर्ट्स टर्फ का किया शुभारंभ

नर्मदापुरम। मप्र के सहकारिता एवं खेल मंत्री विश्वास सारंग रविवार रात को अल्प प्रवास पर नर्मदापुरम पहुंचे। खेल मंत्री ने दादा कुटी पहुंचकर वहां पूजन की। फिर उन्होंने अत्याधुनिक खेल परिसर का शुभारंभ किया। खेल मंत्री सारंग ने हर व्यक्ति के लिए खेल के महत्व को बताया। उन्होंने कहा मैंने एक किताब में पढ़ा था कि शिकागो सम्मेलन से लौटकर आने के बाद विवेकानंद जी के पास कुछ युवा पहुंचे और बोले कि हम चाहते है कि आपके जैसे मार्ग पर चले, भगवा पहन संन्यास लेना चाहते है। सनातन का परचम लहराकर देश को विश्व का सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र बनाएं।

ग्रामीणों की चेतावनी, किसी भी कीमत कचरा डंप नहीं करने देंगे

नपा के ट्रेंचिंग ग्राउंड में कचरे की आग से गांव धुंए में, ग्रामीणों ने वाहनों को रोका और तोड़फोड़ की

मंडीदीप. दोपहर मेट्रो।

नगर पालिका मंडीदीप के कुमड़ी स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात कचरे में लगी आग ने पूरे इलाके को धुंए के गुबार में बदल दिया। धुंए से परेशान कुमड़ी, हीरापुर और पड़ोनिया गांव के ग्रामीण आक्रोशित हो उठे। उन्होंने रविवार सुबह मंडीदीप से कचरा लेकर आ रहे नपा के वाहनों को गांव में रोक लिया और दो वाहनों में तोड़फोड़ भी कर दी।

ग्रामीणों का आरोप है कि ट्रेंचिंग ग्राउंड बनाने का वह शुरू से ही विरोध कर रहे हैं। पहले नपा ने यहां एक पुराने कारखाने का सड़ा-गला और बदबूदार कचरा रातोंरात डंप कर दिया था, जिससे क्षेत्र में भयंकर बदबू और मक्खियों का प्रकोप बढ़ गया। ग्रामीणों के विरोध के बाद नपा ने यहां कचरा डंपिंग बंद कर दी थी, लेकिन कुछ समय बाद नपा ने यहां मशीनें लगाकर फिर से कचरा डालना शुरू कर दिया। अब कचरे में आग लगने से स्थिति और बिगड़ गई है।

ग्रामीणों ने दी चेतावनी

ग्रामीणों का एक वीडिओ सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वह नपा वाहन चालकों को खुली चेतावनी दें रहें है- ÷अगर अब कचरा वाहन यहां आए तो खैर नहीं। आपके अधिकारी और जनप्रतिनिधि जबरन गाड़ियां भेजते हैं तो उनसे कहना कि साथ चलो।÷ उन्होंने साफ कहा कि किसी भी कीमत पर यहां कचरा डंप नहीं होने देंगे।

तीस गाड़ी प्रतिदिन जाता कचरा

जानकारी के अनुसार, नगर पालिका प्रतिदिन करीब 30 वाहनों से कचरा यहां डंप करा रही है। ग्रामीण लंबे समय से पर्यावरणीय नुकसान, बदबू और स्वास्थ्य समस्याओं की शिकायत करते आ रहे हैं, लेकिन उनकी मांगों पर अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकला है।

ट्रेंचिंग ग्राउंड के कचरे में आग कैसे लगी इसकी जांच की जायेगी, जहां तक ग्रामीणों के विरोध की बात है तो उनसे बात की जायेगी।
– **प्रशांत जैन**, नपा सीएमओ

चिचवानी में वन विभाग और पुलिस के खिलाफ बैठक, कार्यालय में धरने की रणनीति बनी

नर्मदापुरम. दोपहर मेट्रो।

ग्राम चिचवानी में वन विभाग के एसडीओ द्वारा दो आदिवासी चौकीदारों पर की गई मारपीट के मामले में ग्रामीणों ने जमकर रोष हैं गांव में आयोजित बैठक में वन विभाग और पुलिस प्रशासन के रवैये के खिलाफ आवाज बुलंद की गई तथा आगे की रणनीति तय करते हुए जिला कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन करने का फैसला लिया गया।बैठक में प्रदेश संयोजक दुर्गेश धुर्वे फागराम किसान आदिवासी संगठन, ब्लॉक संयोजक जयसिंह बारसकर, अध्यक्ष ब्रजेश उईके, ईश्वरदास उईके, जनपद सदस्य रजनी सल्लाम, सरपंच सरवन मर्सकोले, सरपंच मोहन सिंह भुसारे, वन समिति अध्यक्ष शिवदास, ग्रामसभा अध्यक्ष विनोद भुसारे, कपिल खण्डेलवाल, सुखवाती कलमे, फूलवती कवड़े, मुन्नीबाई कलमे, सुरेश सिंह अखंडे, सुनील कलमे, रामेश्वर यादव सहित चारों गांवों के प्रमुख लोग उपस्थित रहे।ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि वन विभाग का रवैया आदिवासी समुदाय के प्रति असंवेदनशील है। बैठक में धरना को सफल बनाने के लिए व्यापक तैयारी के निर्देश दिए गए।

नर्मदापुरम के नए कलेक्टर ने संभाला पदभार, नर्मदा पूजन के बाद ज्वाइनिंग

नर्मदापुरम. दोपहर मेट्रो।

2013 बैच के आईएएस अधिकारी सोमेश मिश्रा ने सोमवार को नर्मदापुरम कलेक्ट्रेट में पदभार ग्रहण कर लिया। मंडला के पूर्व कलेक्टर श्री मिश्रा ने पदभार संभालने से पूर्व सेठानी घाट पर मां नर्मदा का विधिवत पूजन किया। उन्होंने प्रदेश की समृद्धि और जनकल्याण की कामना की तथा मां नर्मदा की आरती के बाद जल में दीपदान कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन उनके साथ थे। श्री मिश्रा ने कहा, शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता होगी। जनसमस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करेंगे। गरीबी, युवा, श्रम और रोजगार के क्षेत्र में लगातार कार्य जारी रखेंगे।

न्यास कॉलोनी में जल आपूर्ति को मजबूत करने नपा अध्यक्ष ने किया निरीक्षण

इटारसी. दोपहर मेट्रो।

नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने रविवार को वार्ड 33 के न्यास कॉलोनी,, वार्ड 13 और वार्ड 28 का सघन दौरा कर पेयजल आपूर्ति व स्वच्छता व्यवस्था का अवलोकन किया।निरीक्षण के दौरान जल संकट के तकनीकी कारणों पर चर्चा हुई और वैकल्पिक जल स्रोतों को तत्काल सक्रिय करने के निर्देश जारी किए। न्यास कॉलोनी में मोटर पंपों के बार-बार क्षतिग्रस्त होने की समस्या के स्थायी समाधान के लिए नागरिकों के सुझाव पर बंद पड़े पुराने ट्यूबवेलों को पुनर्जीवित करने का निर्णय लिया गया। परीक्षण सफल होने पर इन्हें मुख्य राइजिंग पाइपलाइन से जोड़ा जाएगा, जिससे क्षेत्र में जल दबाव बना रहेगा।क्षेत्र में लो-वोल्टेज व थ्री-फेज बिजली आपूर्ति की अनियमितता से मोटरों पर अतिरिक्त भार पड़ने की समस्या सामने आई। अध्यक्ष ने बिजली कंपनी के उच्चाधिकारियों से दूरभाष पर बात कर नियमित आपूर्ति के सख्त निर्देश दिए। गर्मी के कारण जल स्तर गिरने से पानी कम आने पर नागरिकों को ट्यूबवेल मनमाने ढंग से न चलाने की हिदायत दी। स्वच्छता व्यवस्था पर गहरी नाराजगी वार्ड 28 में नालियों की सफाई संतोषजनक न मिलने पर अध्यक्ष ने सफाई कर्मचारियों को फटकार लगाई। सफाई कार्यों में शिथिलता अक्षम्य बताते हुए लापरवाही पर अनुशासनात्मक कार्रवाई व सेवा समाप्ति की चेतावनी दी।नपा अध्यक्ष ने नागरिकों से ट्यूबवेल संचालन में तकनीकी सहयोग व पानी अपव्यय रोकने की अपील की। निरीक्षण में पार्षद वंदना ओझा, एल्डरमैन नरेश मेघानी, आशीष मालवीय, पार्षद प्रतिनिधि मनीष ठाकुर, रमेश धूरिया व नपा के तकनीकी अधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस का स्वागत सम्मान समारोह, नर्मदापुरम में चौदह नए मंडल अध्यक्षों का अभिनंदन

नर्मदापुरम. दोपहर मेट्रो।

जिला कांग्रेस कमेटी और नगर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों का स्वागत एवं सम्मान समारोह स्थानीय नेता प्रतिपक्ष कार्यालय रामजी बाबा समाधि पर संपन्न हुआ।कार्यक्रम में नगर कांग्रेस के 6 मंडल अध्यक्षों—राजीव गांधी मंडलम के कुलदीप राठौर, जवाहरलाल नेहरू मंडलम के गुलाम हैदर, इंदिरा गांधी मंडलम के जागेश यादव, लाल बहादुर शास्त्री मंडलम के (नाम निर्दिष्ट नहीं), डॉ. भीमराव अंबेडकर मंडलम के मीना वर्मा तथा सुभाष चंद्र बोस मंडलम के तुकाराम यादव—के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के 8 मंडलम अध्यक्षो का माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया। जिनमे मंडलम मेहरागांव-प्रहलाद आठनेरे, निमसड़िया-दीनदयाल चौरे, रेसलपुर-हेमन्त कुमार चौरे, बुधवाड़ा कला-धीरज शर्मा, सांकेत-संजीव चौरे, रायपुर-अशोक गोलिया, खेडला-घासीराय गौर, पॉजरा कला-शेखर चौरे शामिल रहे। इसके अलावा जिला कांग्रेस कौमी एकता एवं सद्भावना कमेटी के नवनियुक्त

अध्यक्ष रिजवान खान को भी सम्मानित किया गया।जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडे ने कहा कि मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन सृजन अभियान से पार्टी का विस्तार हुआ है। मंडल अध्यक्षों के माध्यम से आने वाले समय में संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। प्रदेश महामंत्री केलू उपाध्याय ने जोर देकर कहा कि मंडल स्तर पर समन्वय स्थापित कर संगठन को वार्ड स्तर तक विकेंद्रीकृत किया जाएगा, जिससे पार्टी मजबूत बनेगी।इस अवसर पर नगर कांग्रेस अध्यक्ष कमलेश बाथरे, ग्रामीण अध्यक्ष अनुराग मलैया, नेता प्रतिपक्ष अनोखी लाल राजोरिया, किसान कांग्रेस अध्यक्ष बाबू चौधरी सहित धर्मेंद्र तिवारी, अजय सैनी, फैजान उल हक, गुलाम मुस्तफा, प्रताप ठाकुर, लखन रघुवंशी, जिजी जोसेफ, अरुण दीक्षित, राजू मिश्रा, संतोष तोमर, आनंद थापक, अमित खत्री आदि उपस्थित रहे।

स्वर लहरी संगीत मंच का भव्य संगीतमय कार्यक्रम संपन्न, 15 कलाकारों ने बांधा समां

इटारसी. दोपहर मेट्रो।

नगर की उभरती संगीत संस्था स्वर लहरी संगीत मंच ने नमक रेस्टोरेंट में एक भव्य संगीतमय कार्यक्रम आयोजित किया। मुख्य अतिथि राशि खोड़े और किशोर सीरिया की उपस्थिति में लगभग 15 कलाकारों ने एक से बढ़कर एक सुमधुर गीतों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम देर

रात तक चला।प्रमुख आकर्षणों में विजय तिवारी की मधुबन खुशबू देता है, ललित मकवार की दिल ऐसा किसी ने मेरा तोड़ा और दीपक सोनी व मुक्ता सोनी की जोड़ी ने देखो मैंने देखा है इक सपना गाकर समां बांध दिया। अन्य कलाकारों में रूपनारायण उसरेटे, अमित जोनाथन, पवन मालवीय व प्रीति मालवीय, मुकेश शुक्ला व चांदनी शुक्ला, नीलेश जैन व गुंजन जैन, अनीता राठौर व दीपक सोनी, ताराचंद चौधरी व प्रस्तुति चौधरी तथा दीपक सोनी व नेहा गौर ने भी शानदार प्रस्तुतियाँ दीं।कार्यक्रम के दौरान जिला नर्मदापुरम की नेहा राजपूत और दीप्ति सोलंकी को हरीश मांझी ने नारी शक्ति सम्मान से नवाजा। शानदार संचालन मुकेश शुक्ला ने किया, जबकि अंत में नीलेश जैन और दीपक सोनी ने आभार व्यक्त किया।

मेट्रो एंकर

15 हजार हस्ताक्षर जुटाने का लक्ष्य

गौ सम्मान के लिए निकलेगा पैदल मार्च

गंजबासौदा. दोपहर मेट्रो।

स्टेशन रोड स्थित नौलखी मंदिर में गौ सम्मान आह्वान अभियान को लेकर आयोजित सामूहिक बैठक में देशव्यापी स्तर पर संचालित हो रहे अभियान को सफल बनाने की रणनीति तय की गई। बैठक में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में गौ भक्तों ने भाग लिया। बैठक में बताया गया कि 27 अप्रैल को पूरे भारतवर्ष में एक साथ गौ माता के सम्मान में ज्ञापन सौंपा जाएगा। नगर में इस दिन सुबह 10 बजे नौलखी मंदिर से शांतिपूर्ण पैदल मार्च निकलेगा, जो तहसील कार्यालय पहुंचकर राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन एसडीएम को सौंपेगा। मार्च के दौरान

भक्तजन कीर्तन करते हुए आगे बढ़ेंगे। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि अभियान के तहत 26 अप्रैल तक नगर के सभी वार्डों, जय स्तंभ चौक और रेलवे स्टेशन पर व्यापक हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। इसके अलावा इन प्रमुख स्थानों पर सेल्फी प्वाइंट भी बनाए जाएंगे, जहां नागरिक हस्ताक्षर कर अभियान से जुड़ेंगे। पूरे नगर से लगभग 15 हजार हस्ताक्षर जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। निस्वार्थ गौ सेवा समिति के संचालक लालू महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि यह अभियान देशव्यापी स्तर पर संतों के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। देश के 28 राज्यों के 780 जिलों और करीब 5 हजार तहसीलों में 27 अप्रैल को एक साथ ज्ञापन सौंपे जाएंगे, जिसमें नगर के नागरिक ,गौ भक्त भी सक्रिय रूप से भाग लेंगे। महंत राम मनोहर दास जी महाराज ने कहा कि गौ संरक्षण भारतीय संस्कृति का मूल आधार है। इसके लिए समाज को एकजुट होकर सरकार तक अपनी आवाज पहुंचानी होगी, ताकि प्रभावी कानून बन सके। वहीं वेदांत आश्रम के महंत हरिहर दास जी महाराज ने सभी नागरिकों से शांतिपूर्ण तरीके से अधिक से अधिक संख्या में जुड़ने की अपील की, इस अभियान के माध्यम से सरकार से गौ माता के संरक्षण के लिए सख्त कानून बनाने की मांग की जाएगी। यदि निवेदन के बाद भी कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकलता है, तो संत समाज द्वारा 15 अगस्त 2027 से आमरण अनशन शुरू किया जाएगा।

भजन प्रतियोगिता से गूंजा आदित्य परिसर

गंजबासौदा. दोपहर मेट्रो।

सेवा भारती विदिशा इकाई द्वारा आदित्य परिसर में भव्य भजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें जिले भर से 15 भजन मंडलियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रस्तुति देने वाली मंडलियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य भारत प्रांत सेवा भारती के अध्यक्ष डॉ. डी.एस. बिन्द्रा ने

अपने संबोधन में सभी से सेवा भारती से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सेवा भारती के कार्यक्रमों से समाज में समरसता बढ़ रही है तथा स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सशक्त मंच मिल रहा है। इस अवसर पर सेवा भारती के प्रांत सचिव राजेश जैन, नगर पालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव, जनपद अध्यक्ष नीतू रघुवंशी, पार्षद अंशलेखा भावसार, राजकुमारी रघुवंशी, मनीष गोयल, शुभ्रा डागा, विभाग समन्वयक राजेश भार्गव, जिला प्रमुख राजेश माथुर, मयंक टाक, अवतार सिंह, संजीव माथुर, वर्षा अग्रवाल, राजबाला, नगर प्रमुख सावन अग्रवाल, माधव सुहाने सहित सभी भजन मंडलियों के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भक्ति भाव से ओतप्रोत प्रस्तुतियों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया और दर्शकों ने भी भरपूर सराहना की।

ऑल इंडिया वालीबॉल चैलेंजर्स टूर्नामेंट आयोजन की तैयारी हुई पूर्ण

उद्घाटन मैच 12 एवं समापन मैच 15 अप्रैल को खेला जाएगा

राजनगर /अनूपपुर। फ्रेंड्स यूनियन क्लब पौराधार के तत्वाधान,नगर परिषद डूमरकछार एवं संधान ट्रस्ट के सहयोग से मुख्य पंडाल पौराधार में 12 अप्रैल 2026 से 15 अप्रैल 2026 तक ऑल इंडिया वालीबॉल चैलेंजर्स टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है, इस प्रतियोगिता में देश की राष्ट्रीय स्तर की महिला एवं पुरुष टीमें अपने खेल का प्रदर्शन करेंगी, मुख्य रूप से पुरुष टीमें डब्लूसीआर रेलवे जबलपुर,नदीयाड एकैडमी गुजरात, जयपुर (राजस्थान) देहरादून एकैडमी (उत्तराखंड) गुड़गांव (हरियाणा) एवं महिला टीम में रायपुर (छत्तीसगढ़) रविंद्र भारती एकैडमी (कोलकाता) उत्तराखंड एकेडमी गर्ल्स टीम, जयपुर (राजस्थान) आर.एन.सी क्लब (नागपुर) की टीमें प्रमुख रूप से भाग ले रही है, पौराधार मुख्य दुर्गा पूजा पंडाल (वालीबॉल ग्राउंड) में दो ग्राउंड के माध्यम से यह प्रतियोगिता संपन्न किया जाएगा, ज्ञात हो कि यह आयोजन 1994 से लगातार प्रतिवर्ष कोयलांचल क्षेत्र पौराधार में आयोजित होता आ रहा है, बड़ी संख्या में पहली बार महिलाओं की टीमें भी इस प्रतियोगिता में शामिल हो रही है, महिला एवं पुरुष वालीबॉल की टीम एक साथ प्रतियोगिता में सहभागिता कर रही है, आयोजन क्लब ने जिले एवं क्षेत्र के खेल प्रेमियों, नागरिकों से आग्रह करते हुए 12 अप्रैल से 15 अप्रैल तक प्रतिदिन के प्रतियोगिता में सादर आमंत्रित किया है, अधिक से अधिक खेल प्रेमी इस प्रतियोगिता को देखने के लिए अवश्य पहुंचे।

परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री समाज गौरव अलंकरण समारोह में हुए शामिल

जबलपुर। प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह आज गोल बाजार स्थित शहीद स्मारक भवन में नेमा समाज द्वारा आयोजित 'समाज गौरव अलंकरण समारोह' में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस गरिमामय अवसर पर मंत्री श्री सिंह ने समाज के आमंत्रण पर आभार व्यक्त करते हुए शहीद स्मारक की महत्ता पर प्रकाश डाला और कहा कि यह एक ऐसा पवित्र स्थान है, जहाँ देशप्रेमियों के बलिदान की स्मृतियाँ और प्रेरणा हमें गर्व की अनुभूति कराती हैं। उन्होंने वैश्विक पटल पर भारत की बढ़ती शक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारा देश अपनी गौरवमयी पृष्ठभूमि के साथ एक सशक्त और मजबूत लोकतंत्र के रूप में निरंतर आगे बढ़ रहा है, जिसमें नेमा समाज का योगदान सराहनीय और अतुलनीय है।

पुलिस, नगर रक्षा समिति और जनता के साथ संयुक्त पेट्रोलिंग से बढ़ेगी सुरक्षा

नर्मदापुरम। जिला पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा एस. थोटा (आईपीएस) के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली नर्मदापुरम पुलिस ने शहर में शांति-व्यवस्था मजबूत करने के लिए नई पहल शुरू की है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन और अनुविभागीय पुलिस अधिकारी जितेंद्र पाठक के निर्देशन में नगर रक्षा समिति का पुनर्गठन किया गया है। अब हर रविवार को पुलिसकर्मी, नगर रक्षा समिति सदस्य और आमजन मिलकर शहर व कस्बे में संयुक्त पेट्रोलिंग करेंगे। इस अभियान का उद्देश्य बाजार क्षेत्र में सुव्यवस्थित यातायात, असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश और साप्ताहिक बाजार के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करना है। स्थानीय निवासी मुन्नू दुबे, विवेक श्रीवास्तव और शिवकुमार सुल्लेरे इस टीम का हिस्सा होंगे। टीम पीए सिस्टम से अनाउंसमेंट करेगी और प्रिवेंशन इज बेटर दैन क्योर के मंत्र पर जनता को जागरूक करेगी। पुलिस का कहना है कि सामुदायिक पुलिसिंग को मजबूत करने से अपराध पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा।

उन्नत कृषि महोत्सव में 30 दिव्यांगों को वितरित की गई मोटराइज्ड ट्रायसकिल

रायसेन । उन्नत कृषि महोत्सव के दूसरे दिवस केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान तथा मप्र शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल द्वारा 30 दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्रायसकिल वितरित की गई। इस अवसर पर केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि मोटराईज्ड ट्रायसकिल मिलने से दिव्यांगों को आवागमन में सुविधा होगी और दैनिक कार्य, व्यवसाय या रोजगार में भी मदद मिलेगी। दिव्यांगों का जीवन सुगम, सम्मानजनक बनाने के लिए वह प्रतिबद्ध है। बैटरी वाली ट्राईसायकल मिलने से दिव्यांगों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिए किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा और अपने छोटे-मोटे व्यवसाय भी आसानी से कर सकेंगे। इस अवसर पर मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि इन मोटराइज्ड ट्रायसिकल से दिव्यांगों को गतिशीलता मिलेगी। वह सुगमता से एक स्थान से दूसरे स्थान तक जा सकेंगे और अपने दैनिक कार्य या रोजगार कर सकें। यह दिव्यांगजन को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा। इस अवसर पर विधायकगण, स्थानीय जनप्रतिनिधि और अधिकारीगण उपस्थित रहे।

आयुर्वेद चिकित्सा का श्रद्धालुओं ने उठाया लाभ

करोहन पंचकोशी मुख्य पड़ाव पर आयुष विभाग द्वारा निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

आयुष्मान आरोग्य मंदिर करोहन के तत्वावधान में पंचकोशी यात्रा के प्रमुख पड़ाव स्थल करोहन में रविवार को यात्रियों की सुविधा के लिए निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में पंचकोशी यात्रियों को आयुर्वेदिक चिकित्सा सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं।

शिविर का उद्घाटन स्थानीय सरपंच श्रीमती रूप कुंवर लाखन सिंह राठौड़ द्वारा किया गया। आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. जितेंद्र जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि आयुर्वेद शास्त्र में 'दैवव्यपाश्रय चिकित्सा' का विशेष वर्णन है, जिसमें मंगल पाठ, जप-तप, देव-अर्चना एवं तीर्थ यात्रा के माध्यम से अनंत पुण्य की प्राप्ति होती है। पंचक्रोशी यात्रा न केवल शरीर को निरोग एवं सुख प्रदान करती है, बल्कि पुण्यानुबंधी भी है।

शिविर के दौरान यात्रियों की सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ रक्तचाप, रक्त शर्करा (शुगर) तथा हीमोग्लोबिन की जांच की गई। जांच के आधार पर आवश्यक निःशुल्क आयुर्वेदिक औषधियों का वितरण भी किया गया।

इस अवसर पर गजेंद्र सिंह राठौड़, डॉ. इरफान खान, राजेंद्र सिंह सिसोदिया, दिनेश शर्मा, अजय मोदी, नारायण राठौर, रवि शर्मा, राजाराम पांचाल (सचिव), अनिल राठौर (सहायक सचिव), चतुर्भुज तिवारी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शिविर के सफल आयोजन में श्री रमेश डोडिया का विशेष सहयोग रहा। आयुष विभाग एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर करोहन द्वारा ऐसे शिविरों के माध्यम से पंचक्रोशी यात्रियों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की सराहनीय पहल की गई है।

चांदौन गांव में शराब दुकान के विरोध में महिलाओं-कांग्रेसियों का जयस्तंभ चौक पर प्रदर्शन

इटारसी, दोपहर मेट्रो

सोहागपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम चांदौन में सड़क पर शराब दुकान खोले जाने के खिलाफ रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं और गांव की महिलाओं ने इटारसी के जयस्तंभ चौक पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने शराब दुकान हटाओ, आबकारी मुर्दाबाद और भाजपा मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए दुकान हटाने की मांग की।गांव की छात्रा निकिता दुबे ने कहा कि सड़क पर शराब दुकान खुलने से स्कूल आने-जाने में परेशानी हो रही है। दुकान पर खड़े लोगों से दिक्कतें होती हैं। इसी तरह ग्राम निवासी सोना सराठे ने बताया कि बीच सड़क पर दुकान होने से आवागमन में बाधा आ रही है। उन्होंने दुकान हटाने की मांग दोहराई।

आश्वासन के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं...

कांग्रेस नेता गजानंद तिवारी ने बताया कि पहले भी शराब दुकान के विरोध में प्रदर्शन हो चुका था। तब नायब तहसीलदार और पटवारी ने दुकान हटाने का आश्वासन दिया था, लेकिन कई महीनों बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी कारण दोबारा प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं और युवतियों का कहना था कि गांव में बीच सड़क पर शराब दुकान खोलना अस्वीकार्य है। इससे उनकी सुरक्षा और आवागमन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने सख्ती से मांग की कि गांव में किसी भी हाल में शराब दुकान न खोली जाए।धरने मे पूर्व नगर अध्यक्ष पंकज राठौर, प्रवीण गाँधी, नेहा चावरे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

स्टांप सहित महत्वपूर्ण दस्तावेज जले

तहसील कार्यालय में बनी स्टांप विक्रेताओं की 6 दुकानों में लगी आग

धार। दोपहर मेट्रो

जिले के मनावर क्षेत्र में स्थित पुराने तहसील कार्यालय में बनी स्टांप विक्रेताओं की दुकान में अल सुबह अचानक आग लग गई, क्षेत्र से गुजर रहे लोगों ने आग की सूचना पुलिस सहित नगर पालिका कार्यालय को दी। कुछ ही देर में फायर वाहन मौके पर पहुंचा, हालांकि तब तक आग ने स्टांप विक्रेताओं की 6 दुकानों को चपैट में ले लिया था। दो घंटे की लंबी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, इधर आग लगने के कारण वेंडरों की दुकान पर रखा सालों का पुराना रिकॉर्ड जलकर खाक हो गया है। वेंडरों की माने तो किसानों व ग्रामीणों के 8 से 10 साल पुराने दस्तावेज दुकानों में रखे थे, आग के कारण बडी संख्या में स्टांप सहित अन्य दस्तावेज जलने से नुकसान हुआ है।

जानकारी के अनुसार मनावर थाना अंतर्गत पुराने तहसील कार्यालय में सोमवार सुबह करीब 5 बजे आग लग गई। इस घटना में छह दुकानें जलकर खाक हो गई, जिससे लगभग 35 लाख रुपए के नुकसान होने का अनुमान है। आग से प्रभावित होने वाली दुकानें छह स्टांप विक्रेताओं की थीं, जिनमें गणपत चौहान, शहनवाज खान, रहिश एडवोकेट, जगदीश ठाकुर, मौसीन खान और मुकेश मंडलार्ड की दुकानें शामिल हैं। सुबह 7-30 बजे तक भी धुआं उठता देखा जा रहा था। स्टांप वेंडरों ने बताया कि आग लगने से दुकानों में रखे कंप्यूटर, लैपटॉप, प्रिंटर, इन्वर्टर, बैटरी, स्टेबलाइजर, स्टांप मशीन, फोटोस्टेट मशीन, राजस्व टिकट, कीबोर्ड, स्टाम्प, कई लोगों की रजिस्ट्रियां और फर्नीचर सहित अन्य कीमती सामान जलकर राख हो गया। वेंडरों के अनुसार सालों पुराने रखे महत्वपूर्ण दस्तावेजों और सरकारी डेटा का हुआ है, जो पूरी तरह नष्ट हो गए। इससे कई लोगों के सरकारी रिकॉर्ड, लेनदेन संबंधी दस्तावेज और महत्वपूर्ण फाइलें जल गई। मनावर नगर पालिका की फायर ब्रिगेड की मदद से करीब दो घंटे में आग पर काबू पाया गया। थाना प्रभारी ईश्वर चौहान के अनुसार प्रभात गश्त कर रही पुलिस को आग की सूचना मिली थी, समय रहते फायर वाहन की मदद से आग पर काबू पाया गया। परिसर में बनी 6 दुकानें आग की चपैट में आई थी।

यज्ञोपवीत संस्कार समिति की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय हुए पारित

इटारसी। नर्मदा पुरम जिला सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा गठित यज्ञोपवीत संस्कार समिति की बैठक नगर की दूसरी लाइन स्थित परशुराम भवन में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता यज्ञाचार्य प्रभात शर्मा ने की, जबकि संचालन संयोजक राजकुमार दुबे ने किया।बैठक में कार्यक्रम के लिए लगने वाली सामग्री का मिलान समिति सदस्यों एडवोकेट रघुवंश पांडे, त्रिभुवन नारायण त्रिपाठी, सुनील दुबे, नवीन दुबे और हैप्पी शर्मा ने किया। स्टील के बर्तनों का मिलान अरविंद व्यास, दिनेश उपाध्याय, सौरभ शुक्ला, प्रकाश दुबे तथा संजय बाजपेयी ने किया।कार्यक्रम में बटुकों की संख्या बढ़ाने के लिए प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी एडवोकेट रघुवंश पांडे, राजकुमार दुबे, संतोष भारद्वाज और अखिलेश दुबे को सौंपी गई। जिला अध्यक्ष जित्तू ओझा ने कहा कि 20 अप्रैल को होने वाले यज्ञोपवीत संस्कार कार्यक्रम में बटुक घर से

मुंडन कराकर, स्नान करके धोती, गमछा और एक छोटी धार्मिक पुस्तक लेकर उपस्थित हों। कार्यक्रम पूर्णतः निशुल्क होगा तथा एक बटुक के साथ परिवार के केवल चार सदस्यों को ही प्रवेश की अनुमति मिलेगी।अंत में प्रकाश दुबे ने सभी उपस्थित सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मेट्रो एंकर | स्टेडियम के निर्माण की स्वीकृति मिलने पर नेता प्रतिपक्ष का हुआ स्वागत

सरकार अपने एजेंटों और आरएसएस से जुड़े लोगों को शिक्षक बनाना चाहती है: सिंघार

धार, दोपहर मेट्रो

आदिवासी बाहुल्यर जिले की गंधवानी विधानसभा से विधायक व नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार तीन दिवसीय दौरे पर धार आए हुए हैं। रविवार को नेता प्रतिपक्ष सिंघार ग्रम बाग पहुंचे, यहां पर 7.33 करोड़ रुपए की लागत से आधुनिक स्टेडियम के निर्माण की स्वीकृति मिलने पर खेल प्रेमियों ने उमंग सिंघार को फलों से तौला। इसके अतिरिक्त, नेता प्रतिपक्ष ने बाग क्षेत्र के गुलरियाखोदरा, पिपरी, करकदा, खेरवा, अखाड़ा, झिरपन्या और चिकापोटी सहित आठ गांवों में सीसी रोड के भूमिपूजन भी किए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार पर किसान विरोधी और शिक्षक विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कड़ी आलोचना की। सिंगार ने शिक्षकों की टीईटी परीक्षा के मुद्दे पर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपने एजेंटों और आरएसएस से जुड़े लोगों को शिक्षक बनाना चाहती है, जबकि लंबे समय से कार्यरत शिक्षकों को हटाना चाहती है। सिंघार ने मांग की कि प्रदेश सरकार को 1.5 लाख शिक्षकों को मानसिक तनाव से बचाने के लिए टीईटी परीक्षा के संबंध में सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार अतिथि शिक्षकों को मान्यता न देकर उन्हें भी हटाना चाहती है।

सस्ता अनाज बेचना पड़ा

किसानों के मुद्दे पर सिंघार ने कहा कि समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन की तारीखें बढ़ाने के कारण छोटे किसानों को अपना गेहूं 2100 रुपए प्रति क्विंटल पर बेचना पड़ा। उन्होंने सरकार के 160 लाख मीट्रिक टन गेहूं उपार्जन के दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि पंजीयन के बाद मात्र 78 लाख मीट्रिक टन गेहूं ही उपार्जित होने की बात सामने आई है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों का एक-एक दाना गेहूं खरीदने का सरकार का वादा झूठा साबित हुआ है। सिंगार ने भाजपा सरकार को किसान विरोधी बताते हुए कहा कि प्रदेश में युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। किसानों को खाद, बीज और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं, और उन्हें मक्का व गेहूं के उचित दाम भी नहीं मिल रहे हैं।

कर्ज से चल रही सरकार

मोहन यादव सरकार पर कटाक्ष करते हुए सिंघार ने कहा कि प्रदेश सरकार हर दो महीने में हजारों करोड़ रुपए का कर्ज ले रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक ओर जहां आम जनता, किसान और युवा बेरोजगारी से जूझ रहे हैं, वहीं मुख्यमंत्री चार्टर्ड प्लेन और हेलीकॉप्टर खरीदने में व्यस्त हैं। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा प्रदेश की जनता का ध्यान वास्तविक समस्याओं से भटकाने के लिए हिंदू-मुस्लिम के नाम पर लोगों को डराती है और 'जय जय सियाराम' के नारे लगाकर हिंदू सम्मेलनों का आयोजन करती है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों, युवा बेरोजगारों, आदिवासियों और आमजनों के मुद्दों पर कोई ध्यान नहीं दे रही है।

धूम मचाने आ रहा 18 करोड़ी खिलाड़ी...

श्रीलंका क्रिकेट से मिला एनओसी कोलकाता नाइट राइडर्स की दूर होगी टेंशन

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स का प्रदर्शन अब तक कुछ खास नहीं रहा है। तीन बार की आईपीएल चैम्पियन टीम ने चार में से तीन मुकाबले गंवाए हैं और उसका एक मुकाबला बारिश के चलते धुल गया। कोलकाता नाइट राइडर्स के सिर्फ एक अंक हैं और वो अंकतालिका में आखिरी पायदान पर है। आईपीएल 2026 में खराब शुरुआत के बीच कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए अच्छी खबर सामने आई है। श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना ने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। रेवस्पोर्ट्ज की रिपोर्ट के मुताबिक पथिराना को श्रीलंका क्रिकेट से अनपात्ति प्रमाण पत्र भी मिल गया है, ऐसे में उनका खेलना तय माना जा रहा है। हालांकि यह साफ नहीं है कि मथीशा पथिराना चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ टीम के अगले मैच में उपलब्ध होंगे या नहीं, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक पथिराना टीम के साथ चेन्नई में जुड़ जाएंगे। केकेआर को मंगलवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स का सामना करना है।

डेथ ओवर्स में कारगर होंगे पथिराना!

कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए चिंता का विषय डेथ ओवर्स बॉलिंग है, जहां विरोधी टीम के बल्लेबाजों ने खुलकर रन बनाए हैं। ऐसे में मथीशा पथिराना की वापसी टीम के लिए बेहद अहम मानी जा रही है। डेथ ओवर्स में उनकी यॉर्कर और स्लोअर गेंदें कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए बड़ा हथियार साबित हो सकती हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स ने मथीशा पथिराना को आईपीएल 2026 के हुई मिनी नीलामी के दौरान 18 करोड़ रुपये में खरीदा था। लेकिन आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान लगी चोट के कारण उनकी उपलब्धता को लेकर सवाल खड़े हो गए थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में पथिराना सिर्फ चार गेंदें फेंक पाए थे, जिसके बाद उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा था। मथीशा पथिराना इससे पहले आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेल चुके हैं। उन्होंने अब तक 32 मैचों में 47 विकेट लिए हैं। आईपीएल 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। अब कोलकाता नाइट राइडर्स को उम्मीद है कि वही अनुभव उनके काम आएगा।

कैमरन ग्रीन कब फॉर्म में लौटेंगे?

कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे की रणनीतियों पर सवाल उठ रहे हैं। वहीं 25 ।20 करोड़ी खिलाड़ी कैमरन ग्रीन अभी तक उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। हालांकि युवा बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी ने कुछ अच्छी पारियां जरूर खेली हैं। टीम को पहले ही हर्षित राणा और आकाश दीप के बाहर होने से झटके लग चुके हैं। अब सबकी नजरें इस बात पर हैं कि मथीशा पथिराना चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच में खेलते हैं या नहीं। चेपॉक की पिच स्पिनरों के लिए मददगार मानी जाती है, जहां सुनील नरेन अहम भूमिका निभा सकते हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए यह मैच काफी अहम है। ऐसे में पथिराना की वापसी टीम के लिए गेमचेंजर साबित हो सकती है।

वानखेड़े में सजी बॉलीवुड सितारों की महफिल

एमआई को सपोर्ट करने स्टेडियम पहुंचे सैफ-करीना, अनुष्का शर्मा का भी जोश रहा हाई

मुंबई , एजेंसी

देश में इन दिनों इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का दौर जारी है। इंडिया के हर कोने में क्रिकेट मैच खेला जा रहा है। ये कारवां आज 12 अप्रैल मुंबई पहुंचा जहां के वानखेड़े क्रिकेट स्टेडियम में मुंबई बनाम बैंगलुरू का गेम खेला गया। इसे देखने हजारों की संख्या में फैंस तो पहुंचे ही। मगर साथ ही बॉलीवुड के कई सेलेब्स भी स्पॉट हुए।

वानखेड़े स्टेडियम में करीना कपूर अपनी फैमिली के साथ पहुंची। पति सैफ अली खान और दोनों बेटे तैमूर और जेह तो साथ थे ही, मगर उनके साथ इब्राहिम अली खान भी नजर आए। सभी ने मुंबई की जर्सी पहनी थी, जिससे साफ दिखाई दे रहा था कि वो अपनी होम टीम को सपोर्ट करने पहुंचे हैं।

मैच के दौरान कई बार करीना, सैफ और इब्राहिम को साथ में अपनी पसंदीदा टीम के लिए चियर करता देखा गया। वहीं नन्हे तैमूर और जेह की भी झलक देखने मिली। करीना की फैमिली मोमेंट्स को सोशल मीडिया यूजर्स ने काफी पसंद किया।

करीना के अलावा स्टेडियम में वरुण धवन भी पहुंचे। वहां वो पूजा हेगड़े के साथ बैठे नजर आए, जो मुंबई को ही सपोर्ट कर रहे थे। एक्टर ने अपने इंस्टाग्राम पर स्टोरी भी शेयर की। वरुण और पूजा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म %है जवानी तो इश्क होना है% को लेकर भी सुर्खियों में हैं। ये फिल्म पहले 12 जून को आनी थी। मगर अब इसे 22 मई के लिए प्रीपोन कर लिया गया है।

विराट कोहली के लिए खुश हुईं अनुष्का

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा भी वानखेड़े स्टेडियम में बाकी सितारों की तरह बैठी नजर आईं। हालांकि वो मुंबई की विरोधी टीम बेंगलुरु को सपोर्ट कर रही थीं। अनुष्का के पति विराट कोहली बेंगलुरु के लिए खेलते हैं। आज उन्होंने बढ़िया बल्लेबाजी करते हुए हाल्फ सेंचुरी भी लगाई थी। ऐसे में अनुष्का काफी खुश और जोश में दिखीं। अनुष्का अधिकतर आईपीएल के दौरान दिखाई देती रहती हैं। वो स्टैंड में बैठकर ही अपने पति विराट कोहली को सपोर्ट करती हैं। कई मौकों पर अनुष्का को एक्साइटेड होते देखा गया है। जब भी विराट मैच में परफॉर्म करते हैं, एक्ट्रेस के चेहरे पर अलग खुशी देखने मिलती है। दोनों के यही क्यूट मोमेंट्स सोशल मीडिया पर छाए रहते हैं।

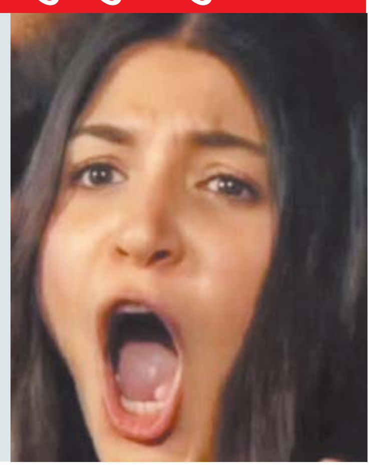

फिफ्टी के बाद गुस्से में विराट ने फेंक दिए ग्लव्स और हेलमेट

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में रविवार को आरसीबी और मुंबई इंडियंस के बीच वानखेड़े के मैदान पर मुकाबला खेला गया। इस भिड़ंत में विराट कोहली का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वो काफी गुस्से में दिख रहे हैं। कोहली गुस्से में अपना हेलमेट और ग्लब्स फेंकते दिख रहे हैं। दरअसल, कोहली ने इस मैच में 38 गेंदों पर 50 रन की पारी खेली, जिसमें 5 चौके और 1 छक्का शामिल था। उन्होंने 37 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, लेकिन अगली ही गेंद पर वह आउट हो गए। हार्दिक पंड्या की फुल टॉस गेंद पर कोहली ने हवाई शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन टाइमिंग सही नहीं रही। शॉट के दौरान बल्ला उनके हाथ में घूम गया और गेंद सीधे लॉन्ग-ऑन पर खड़े सूर्यकुमार यादव के हाथों में चली गई। गुस्से में दिखे किंग कोहली आउट होने के बाद कोहली काफी निराश नजर आए। पवेलियन लौटते समय उन्होंने गुस्से में अपने ग्लव्स फेंक दिए और फिर हेलमेट भी जमीन पर पटक दिया। उनका यह रिएक्शन साफ दिखाता है कि वह अपनी पारी को और बड़ा बनाना चाहते थे, लेकिन जल्द आउट होने से बेहद गुस्से में थे।

फाइनल में शी यूकी से हारे आयुष शेट्टी, रजत पदक से करना पड़ा संतोष, पर रचा इतिहास

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप

निगंबो, एजेंसी

भारत के 20 साल के युवा शटलर आयुष शेट्टी को बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में रजत पदक से संतोष करना पड़ा है। रविवार को खेले गए फाइनल में उन्हें चीन के शी यूकी ने लगातार गेमों में 21-8, 21-10 से हरा दिया। यह मुकाबला 42 मिनट तक चला। हालांकि, हार के बावजूद आयुष ने इतिहास रच दिया।

आयुष बैडमिंटन में भारत की नई सनसनी बनकर उभरे हैं। वह पिछले 59 साल में इस टूर्नामेंट के एकल फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय और ओवरऑल इतिहास में दूसरे भारतीय बने थे। 1965 में दिनेश खन्ना ने स्वर्ण पदक जीता था। आयुष इतिहास तो नहीं दोहरा सके, लेकिन रजत पदक जरूर दिलाया। वह पिछले 59 साल में इस टूर्नामेंट के पुरुष एकल में कोई पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय भी हैं। 2018 में एचएस प्रणय ने भारत के लिए कांस्य पदक जीता था। भारत के लिए इस टूर्नामेंट में पिछला पदक 2023 में आया था, जब सात्विक और चिराग ने पुरुष युगल का खिताब जीता था। वर्ल्ड नंबर-25 आयुष का फाइनल में पहुंचना महज संयोग नहीं है, बल्कि कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प का नतीजा है। वह हाल फिलहाल में शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने क्वार्टरफाइनल में वर्ल्ड नंबर-चार जोनाथन क्रिस्टी को 23-21, 21-17 से हराया था। इसके अलावा उन्होंने चीनी ताइपे के चिन यू जेन और चीन के ली शी फेंग जैसे मजबूत खिलाड़ियों को भी मात दी। सेमीफाइनल में आयुष ने वर्ल्ड नंबर-1 कुनलावुत वितिदसरन को 10-21, 21-19, 21-17 से हराया था।

दिल्ली के खिलाफ शतकीय पारी पर सैमसन बोले

चेपॉक में शतक बनाना खास नहीं छोड़ना चाहता था मैदान

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने शनिवार को चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक लगाया। यह आईपीएल 2026 का पहला शतक था, वहीं सैमसन के आईपीएल करियर का चौथा शतक था। हालांकि, सैमसन ने इस शतक को बेहद खास बताया है। सैमसन ने कहा कि यह शतक फ्रेंचाइजी द्वारा उन पर दिखाए गए भरोसे को चुकाने की इच्छा से प्रेरित था। आईपीएल द्वारा एक्स पर जारी एक वीडियो में सैमसन ने कहा, मैंने इस प्रारूप में कुछ शतक बनाए हैं, लेकिन यह थोड़ा खास लग रहा है। चेपॉक में घरेलू दर्शकों के सामने शतक बनाना खास है। मेरी शुरुआत ठीक नहीं थी, लेकिन एक बार जब मुझे लगा कि मैं जम गया हूं और सब कुछ ठीक लग रहा है तो मैं मैदान नहीं छोड़ना चाहता था और बस जितना हो सके उतना योगदान देना चाहता था। ईमानदारी से कहूं तो, मुझे लगता है कि मैं बहुत ज्यादा शांत था। एक बहुत अच्छे विश्व कप से बाहर आने से निश्चित रूप से मदद मिलती है। खुद को साबित करने का कोई मतलब नहीं था, लेकिन निश्चित रूप से फ्रेंचाइजी को कुछ वापस देने का एक प्वाइंट था।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का**

अलविदा संगीत की आशा

10 की उम्र में पहला गाना, 16 में शादी, आसान नहीं थी आशा भोसले की जिंदगी

बॉलीवुड की लेजेंडरी सिंगर आशा भोसले का निधन हो गया है। वो मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती थीं। उन्हें 11 अप्रैल की शाम हार्ट अटैक आया था। देशभर में मौजूद उनके लाखों-करोड़ों फैंस को झटका लगा है। आशा भोसले 92 साल की थीं। वो लेजेंडरी दिवंगत सिंगर लता मंगेशकर की छोटी बहन हैं। अपनी बड़ी बहन की तरह, आशा का करियर भी ऐतिहासिक रहा है। उन्हें अपनी पहचान बनाने के लिए स्ट्रगल तो करना पड़ा, मगर वो स्ट्रगल आगे जाकर कारगर साबित हुआ। आशा भोसले ने अपने 80 साल के सिंगिंग करियर में करीब 12,000 से ज्यादा गाने 20 से ज्यादा भाषाओं में गाए। इसके लिए उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज है।

बहन लता मंगेशकर संग कैसा था रिश्ता?

आशा भोसले और लता मंगेशकर दोनों बॉलीवुड इंडस्ट्री की %सुरों की मल्लिका% कही जाती हैं. एक भारत रत्न से सम्मानित, तो दूसरी पद्म विभूषण से सम्मानित. आशा भोसले का अपनी बड़ी बहन लता मंगेशकर संग रिश्ता हमेशा काफी अच्छा रहा. उनके बीच मुश्किलें तभी पैदा हुईं, जब आशा भोसले ने अचानक 16 साल की उम्र में शादी का फैसला लिया. लेकिन जब सिंगर ने अपने बेटे हेमंत भोसले को जन्म दिया, तब परिवार के बीच हुए सभी झगड़े सुलझ गए. आशा भोसले और उनकी बहन लता मंगेशकर पर्सनली काफी अच्छा रिश्ता शेयर करती थीं. मगर प्रोफेशनली, दोनों में एक किस्म की राइवलरी भी थी. हालांकि उनके गाने हमेशा एक-दूसरे से अलग रहे.

आशा भोसले का आइकॉनिक करियर

आशा भोसले ने अपने करियर में हर तरह के गाने गाए। फिर चाहे वो पार्टी में बजने वाला पिया तू अब तो आजा हो, या कव्वाली दिल चीज क्या है। आशा भोसले का हर गाना अपने आप में आइकॉनिक है। सिंगर ने अपने करियर की शुरुआत साल 1943 में की थी, जब उनके पिता दीनानाथ मंगेशकर का निधन हुआ। अपने परिवार को संभालने के लिए, आशा जी अपनी बड़ी बहन लता मंगेशकर के साथ गाना गाने लगीं। आशा भोसले का पहला गाना साल 1943 में एक मराठी फिल्म में आया। तब वो सिर्फ 10 साल की थीं। सिंगर ने एक न्यूज चैनल से भी अपने पहले गाने के एक्सपीरियंस के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा था, मेरा पहला गाना मुझे माइक के सामने खड़े होकर रिकॉर्ड करना था। तब मैं बहुत कांप रही थी। मुझे पता नहीं था कि माइक क्या होता है, ये सब मेरे मन में नहीं आया था। हमारे पिताजी ने अपने गाने रिकॉर्ड करके रखे हुए थे। जब मैंने अपना पहला गाना गया, तब मुझे एहसास हुआ कि मैं भी गा सकती हूं। सिर्फ दीदी (लता मंगेशकर) नहीं, मैं भी गाना गा सकती हूं। वहां से जिंदगी शुरू हुई और अभी तक खड़ी हूं।

छोटी फिल्मों से हुई थी शुरुआत

आशा भोसले का पहला बॉलीवुड गाना साल 1948 में फिल्म चुनरिया में आया था। इसके बाद उन्होंने कई छोटी फिल्मों में गाना गाकर अपना घर चलाया। सिंगर ने अपनी बहन लता मंगेशकर के सेक्रेटरी गणपतराव भोसले से अचानक शादी रचा ली थी। तब उनकी उम्र सिर्फ 16 साल थी, ऐसे में उनका परिवार इस फैसले से काफी नाराज हुआ था। आशा भोसले को अपने प्रोफेशनल करियर में सफलता मिलनी साल 1957 से शुरू हुई। उनका गाना उड़े जब जब जुल्फें तेरी काफी बड़ा हिट हुआ था, जिसे उन्होंने मोहम्मद रफी साहब के साथ गाया। सिंगर को इसके बाद अच्छी पहचान मिलने लगी। मगर उनकी पर्सनल जिंदगी काफी उथल-पुथल हो गई थी। आशा भोसले और उनके पति के बीच सबकुछ ठीक नहीं रहता था। कुछ सालों बाद सिंगर ने अपने बच्चों के साथ पति का घर भी छोड़ दिया।

मेट्रो बाजार

ईरान युद्ध से अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका, आईएमएफ प्रमुख की चेतावनी

वाशिंगटन,। आईएमएफ की प्रमुख ने कहा कि ईरान युद्ध ने दुनिया की अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका दिया है। इसकी वजह से ऊर्जा की सप्लाई बाधित हो गई है और पूरी दुनिया में कीमतें बढ़ रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि इसका असर आने वाले साल तक महसूस होता रहेगा। आईएमएफ की मैनेजिंग डायरेक्टर क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने सीबीएस न?यूज के एक इंटरव्यू में कहा कि इस रुकावट का पैमाना और अवधि? ही इसके दीर्घकालिक परिणामों को निर्धारित करेगी। उन्होंने आगाह किया कि इसके प्रभाव पहले से ही व्यापक हैं। उन्होंने कहा, ÷मैं आपको यह बता सकती हूं कि यह झटका बहुत बड़ा है। दुनिया का लगभग 13 प्रतिशत तेल और 20 प्रतिशत गैस, जो सामान्य रूप से सप्लाई होती, वह अब पिछले पांच हफ्तों से अटकी हुई है, जिससे सप्लाई की गंभीर स्थिति समझ आती है। उन्होंने कहा कि इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है, लेकिन हर देश पर अलग तरह से। हर कोई ऊर्जा का इस्तेमाल करता है। हर कोई बढ़ती कीमतों का असर महसूस कर रहा है और यह अलग-अलग देशों पर अलग तरीके से असर डालता है। ऊर्जा पर निर्भर देश और संघर्ष के पास वाले इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित हैं, जबकि कम आय वाले देशों पर इसका दबाव और भी ज्यादा है क्योंकि उनके पास संसाधन सीमित हैं। जॉर्जीवा ने बताया कि इसका असर अब कई क्षेत्रों में दिखने लगा है जैसे ईंधन की कमी, खाद की सप्लाई में दिक्कत, ट्रांसपोर्ट और विदेश से आने वाले पैसों पर भी। उन्होंने कहा कि लोग परेशान हैं, और कई जगहों पर सामान की भारी कमी हो रही है।

देश में रिकॉर्ड पेटेंट फाइलिंग पर बोले गोयल भारत का इनोवेशन इंजन अब रुकने वाला नहीं

नई दिल्ली । देश में वित्त वर्ष 26 में रिकॉर्ड पेटेंट फाइलिंग पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत का इनोवेशन इंजन अब रुकने वाला नहीं है। वित्त वर्ष 26 में भारत में रिकॉर्ड 1.43 लाख पेटेंट फाइल किए गए हैं और इसमें पिछले साल की तुलना में 30.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर गोयल ने कहा कि यह वृद्धि आत्मविश्वासी और तेजी से विकसित हो रहे भारत को दर्शाती है जो वैश्विक इनोवेशन के पावरहाउस के रूप में लगातार उभर रहा है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2026 में कुल पेटेंट आवेदनों में से 69 प्रतिशत से अधिक घरेलू थे।

गोयल ने कहा, ÷भारत का इनोवेशन इंजन अब रुकने वाला नहीं है! वित्त वर्ष 2025-26 में हमारे पेटेंट आवेदनों की संख्या ऐतिहासिक रूप से बढ़कर 1.43 लाख से अधिक हो गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 30.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।÷ आंकड़ों के अनुसार, भारत में वित्त वर्ष 2026 में 1,43,729 पेटेंट आवेदन दर्ज किए गए, जो वित्त वर्ष 2025 के 1,10,375 आवेदनों से अधिक हैं। घरेलू आवेदनों की संख्या 98,771 रही, जो पिछले वर्ष के 68,201 आवेदनों से काफी अधिक है।

राज्यों में, तमिलनाडु 22,995 पेटेंट आवेदनों के साथ शीर्ष पर रहा, इसके बाद कर्नाटक और महाराष्ट्र का स्थान था। केंद्रीय मंत्री ने शैक्षणिक संस्थानों, स्टार्टअप्स, एमएसएमई और सार्वजनिक अनुसंधान एवं विकास निकायों के बढ़ते योगदान का जिक्र किया। कहा कि अकेले शैक्षणिक संस्थानों का कुल पेटेंट आवेदनों में 36.5 प्रतिशत हिस्सा था, जो इनोवेशन को बढ़ावा देने में शिक्षा जगत के मजबूत प्रयासों को दर्शाता है।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में बर्फबारी...

मौसम के अलग-अलग रंग

» एमपी-यूपी और राजस्थान में तापमान 40 पार, लू का अलर्ट

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर। पिछले 15 दिनों से वेस्टर्न डिस्टरबेंस ने तेज गर्मी पर ब्रेक लगा रखा था, लेकिन अब उत्तर, मध्य और पश्चिम भारत में तापमान बढ़ने लगा है। मौसम विभाग के मुताबिक गुजरात, सौराष्ट्र-कच्छ और उससे लगे राजस्थान के बॉर्डर वाले जिलों में आज हीटवेव का अलर्ट है। पारा भी 40डिग्री से ज्यादा पहुंच सकता है।

इसके उलट पूर्वोत्तर में असम, मेघालय, अरुणाचल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश का अलर्ट है। जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी भी हो सकती है। वहीं जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में बर्फबारी दर्ज की गई है।इधर, राजस्थान, मध्य प्रदेश, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, सौराष्ट्र कच्छ, बिहार और झारखंड में इस हफ्ते पारा 40एष्ट पार हो जाएगा।पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 30 जिलों में आज धूल भरी आंधी चलने का अलर्ट है। इस दौरान हवा की रफ्तार 40kmph तक हो सकती है।उधर, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी, मध्य महाराष्ट्र में मौसम गर्म और उमस भरा रहेगा। आंध्र प्रदेश में कुछ जगहों पर तापमान 44 डिग्री तक रिकॉर्ड किया गया है।

न्यूज विंडो

अमेरिका: ड्रग तस्करी के शक में दो नावें उड़ाईं, पांच लोगों की मौत

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने जानकारी दी कि पूर्वी प्रशांत महासागर में ड्रग तस्करी के संदेह में दो नावों को निशाना बनाकर उड़ा दिया गया। इस कार्रवाई में कुल पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति जीवित बचा है। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका, लैटिन अमेरिका में कथित नार्को-टेररिस्ट नेटवर्क के खिलाफ अभियान तेज कर रहा है।अमेरिकी दक्षिणी कमान के अनुसार, ये हमले उन समुद्री मार्गों पर किए गए जिन्हें ड्रग तस्करी के लिए इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि, सेना ने यह स्पष्ट नहीं किया कि जिन नावों को निशाना बनाया गया, उनमें वास्तव में मादक पदार्थ मौजूद थे या नहीं।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी वीडियो में देखा गया कि समुद्र में चल रही छोटी नावें अचानक तेज विस्फोट के साथ नष्ट हो गईं। अमेरिकी कोस्ट गार्ड को जीवित बचे व्यक्ति की तलाश और बचाव अभियान के लिए अलर्ट किया गया है, और उसकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है।बताया गया है कि सितंबर की शुरुआत से अब तक ऐसे हमलों में कम से कम 168 लोगों की मौत हो चुकी है। यह अभियान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के बाद तेज हुआ था, जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका लैटिन अमेरिकी कार्टेल्स के साथ 'सशस्त्र संघर्ष' की स्थिति में है।

दंड यात्रा के दौरान करंट लगने से 3 युवकों की मौत, 2 की हालत गंभीर

ढेंकानाल। ओडिशा के ढेंकानाल जिले के हिंदोल क्षेत्र के बालिमी थाना अंतर्गत पाताला गांव में पारंपरिक 'दंड यात्रा' की तैयारियों के दौरान करंट लगने से तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।मृतकों की पहचान सुधाकर साहू, पिंटू साहू और मिलन महालिक के रूप में हुई है। ये सभी युवक गांव में आयोजित होने वाली पारंपरिक दंड यात्रा में हिस्सा ले रहे थे और कार्यक्रम के लिए टेंट लगाने का काम कर रहे थे।जानकारी के मुताबिक, यह हादसा उस समय हुआ जब युवक टेंट खड़ा कर रहे थे। टेंट लगाने के दौरान इस्तेमाल किया जा रहा लोहे का पाइप अचानक ऊपर से गुजर रही 11 केवी बिजली लाइन के संपर्क में आ गया। जैसे ही लोहे का पाइप बिजली के तार से छुआ, तेज करंट दौड़ गया और तीनों युवक उसकी चपेट में आ गए। करंट इतना तेज था कि तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।यह घटना शाम करीब 8 बजे की बताई जा रही है, जब गांव में डांस कार्यक्रम की तैयारी चल रही थी।

दिल्ली पुलिस पर जानलेवा अटैक चाकू से हमले में दो पुलिसकर्मी घायल

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के शिव नगर इलाके में अपराधियों ने पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया। पुलिस चोरी के आरोपियों का पीछा करते एक घर तक पहुंची थी। पुलिस टीम ने जैसे ही आरोपियों को पकड़ने की कोशिश की, दोनों बदमाशों ने चाकू से हमला कर दिया।हमले में एएसआई विनोद और कॉन्स्टेबल अभिषेक जख्मी हो गए। इस हमले में एएसआई विनोद के दाहिने आंख के ऊपर चोट आई है। जबकि कांस्टेबल अभिषेक पर भी हमला किया गया है। घायल होने के बावजूद पुलिसकर्मियों ने बहादुरी दिखाते हुए दोनों आरोपियों को मौके पर ही काबू कर लिया। आरोपियों के पास से चोरी की मोटरसाइकिल और वारदात में इस्तेमाल होने वाले औजार भी बरामद किए गए हैं। पकड़े गए आरोपियों की पहचान बबलू सिंह और धर्म सिंह के रूप में हुई है, जो खुद को नांगलोई का निवासी बता रहे हैं। फिलहाल पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।वहीं, दूसरी ओर दिल्ली और पंजाब में डकैती तथा लूटपाट के कई मामलों के सिलसिले में करीब 14 सालों से फरार एक गैंगस्टर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

तमिलनाडु चुनाव 2026: चरम पर चुनाव प्रचार

तेज तपिश में बहुकोणीय मुकाबले की आहट

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी माहौल गर्म है। तमिलनाडु की 234 विधानसभा सीटों पर 5.73 करोड़ मतदाता 4,023 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। चुनावी चौसर में मुख्य मुकाबला DMK, AIADMK गठबंधन और TVK के बीच दिख रहा है, जबकि सीमॉन की पार्टी NTK इसे चतुष्कोणीय बनाने की कोशिश कर रही है।

फिलहाल प्रचार अभियान में आगे दिख रही है बीजेपी

तमिलनाडु के चुनावी रण में मुख्य मुकाबला DMK, AIADMK गठबंधन और TVK के बीच दिख रहा है, जबकि सीमॉन की पार्टी NTK इसे बहुकोणीय बनाने पर जुटी है। इसके अलावा कई छोटे दल भी सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार चुके हैं।

तमिलनाडु में तेज गर्मी के मौसम में चुनाव प्रचार चरम पर है। भाजपा इस बार प्रचार में सबसे आगे दिखाई दे रही है। तमिलनाडु भाजपा के प्रभारी केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल लगातार जनसभाएं कर रहे हैं। इससे पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी राज्य का दौरा कर चुके हैं। कांग्रेस की स्थिति प्रचार में कमजोर दिख रही है। टिकट वितरण को लेकर असंतोष और राष्ट्रीय नेताओं की अनुपस्थिति पार्टी कार्यकर्ताओं को खल रही है।

MK स्टालिन और उदयनिधि स्टालिन संभाल रहे DMK गठबंधन की कमान

DMK गठबंधन में प्रचार की कमान मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने संभाल रखी है। AIADMK महासचिव एडपाडी के. पलनीस्वामी अकेले मोर्चा संभाल रहे हैं, जबकि उनके सहयोगी PMK नेता अंबुमणि रामदास भी जमकर जनसंपर्क कर रहे हैं। इसी तरह TVK प्रमुख विजय लगातार चुनावी सभाओं में भीड़ जुटा रहे हैं। उनकी पार्टी के नेता आदव अर्जुना भी जनता से सीधे संपर्क साध रहे हैं।

प्रशासनिक सख्ती और नई राजनीतिक ताकतों की चुनौती

चुनाव आयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह सक्रिय है। बड़े स्तर पर प्रशासनिक तबादले, नकदी और कीमती वस्तुओं की जब्ती, तथा सुरक्षा बलों की बढ़ी तैनाती से चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने का प्रयास किया जा रहा है। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। इस बीच, उभरता बहुकोणीय परिदृश्य संकेत देता है कि मतदाता विकल्पों के प्रति अधिक खुला है, जिससे परिणाम अप्रत्याशित और दिलचस्प होने की संभावना बढ़ गई है।

मतदान एक ही चरण में

तमिलनाडु की सभी 234 विधानसभा सीटों के लिए मतदान एक ही चरण में संपन्न होगा। तमिलनाडु की सभी सीटों के लिए 23 अप्रैल 2026 को मतदान होगा। इसके बाद मतगणना और परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे। इस बार मुकाबला बहुकोणीय होने की उम्मीद है। सत्तारूढ़ DMK मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व में सत्ता बचाने की कोशिश में है। वहीं, दूसरी तरफ DMK गठबंधन की बढ़त भी दिख रही है।

एलपीजी से भरी मालगाड़ी से रिसने लगी गैस तीन घंटे के बाद अलग किया, 6 ट्रेनें प्रभावित

खंडवा। शहर में रविवार रात एक बड़ा रेल हादसा टल गया, जब एक मालगाड़ी के एलपीजी से भरे वैगन में अचानक लीकेज का पता चला। यह गुड्स ट्रेन महाराष्ट्र के पनवेल से मध्यप्रदेश के जबलपुर की ओर जा रही थी, जिसमें कुल 32 वैगन शामिल थे। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन, जिला प्रशासन और पुलिस अमला तुरंत मौके पर पहुंच गया।

कलेक्टर ऋषव गुप्ता और एसपी मनोज राय सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सुरक्षा को

ध्यान में रखते हुए लीकेज वाले वैगन को तत्काल अलग (आइसोलेट) कर दिया गया। इस दौरान राजधानी एक्सप्रेस सहित लगभग छह ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहा।

कांग्रेस में बन रहा राहुल को हटाने का माहौल: फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस में उन्हें हटाने का माहौल बन रहा है, क्योंकि वह पार्टी को चुनाव में जीत नहीं दिला पा रहे हैं। फडणवीस ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से कहा कि गांधी केवल अपने अस्तित्व के लिए लड़ रहे हैं और अपने नेतृत्व को लगातार मिल रही हार से बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

शेयर मार्केट में आया भूचाल

सेंसेक्स 1400 अंक लुढ़ककर संभला, निफ्टी 24,000 तक फिसला

मुंबई, एजेंसी

अमेरिका की ईरान के साथ बातचीत विफल होने के बाद डोनाल्ड ट्रंप की स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर बैन लगाने की धमकी का आज बाजार पर जोरदार असर हुआ। कच्चे तेल के भाव उछल गए जिसकी वजह से स्टॉक मार्केट सोमवार को तेज गिरावट के साथ खुले। सुबह 9 बजकर 15 मिनट पर एक समय बीएसई सेंसेक्स 1399.77 अंक लुढ़ककर 76,150.48 के लेवल पर कारोबार करता दिखा। इसी तरह, एनएसई निफ्टी50 भी 410.35 अंक टूटकर 23,640.25 के लेवल पर आ गया। हीं इस दौरान कुछ ऐसे भी शेयर रहे, जिनमें तेजी आई है और बाजार कुछ हद तक संभला है।

निफ्टी पर कोल इंडिया, ओएनजीसी और सन फार्मा सबसे

ज्यादा बढ़त बनाने वाले नतीजों में शामिल रहे, जबकि बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, आयशर मोटर्स, इंटरग्लोब एविएशन और श्रीराम फाइनेंस में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली। कारोबार की शुरुआत में लगभग 617 शेयरों में बढ़त दर्ज की गई, 2246 शेयरों में गिरावट आई और 196 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

छिंदवाड़ा में डिस्पोजल फैक्ट्री में लगी आग, दो झुलसे

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा के सोनपुर रोड स्थित एक डिस्पोजल फैक्ट्री में रविवार और सोमवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी फैक्ट्री जलकर खाक हो गई। देर रात लगी आग पर सुबह 6 बजे के बाद काबू पाया गया लेकिन बीच-बीच में धुआं अभी भी उठ रहा है।आग बुझाने के लिए दमकल की 5 गाड़ियां लगातार पानी डालती रही। इसके अलावा नगर निगम के 4 टैंकर भी मौके पर लगाए गए थे, लेकिन फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में रखे पॉलीथिन और डिस्पोजल सामग्री के कारण आग तेजी से फैलती गई।

फैक्ट्री मालिक और परिवार भी झुलसे

यह फैक्ट्री दीपक साहू (30) पिता लालचंद साहू की बताई जा रही है। आग लगने के समय फैक्ट्री परिसर में बने घर में उनका परिवार मौजूद था। आग की चपेट में आने से एक बुजुर्ग झुलस गए। उन्हें बचाने के प्रयास में फैक्ट्री संचालक दीपक साहू भी घायल हो गए। बुजुर्ग को तुरंत अस्पताल भेजा गया, वहीं डॉक्टर मनन गोगिया ने मौके पर पहुंचकर दीपक साहू का प्राथमिक उपचार किया।

मेट्रो एंकर

डीयू की महिला प्रोफेसर के खिलाफ एससी-एसटी अधिनियम के तहत दर्ज प्राथमिकी को दिल्ली हाई कोर्ट ने किया रद्द

सिर्फ दुर्व्यवहार एससी-एसटी अधिनियम के तहत अपराध नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) की महिला प्रोफेसर के खिलाफ अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) अधिनियम के तहत दर्ज प्राथमिकी दिल्ली हाई कोर्ट ने रद्द कर दी है।दिल्ली हाई कोर्ट की न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि किसी एससी व्यक्ति के साथ सिर्फ दुर्व्यवहार करना अपने आप में एससी-एसटी अत्याचार निवारण कानून के तहत अपराध नहीं बनता। इसके लिए यह साबित होना जरूरी है कि आरोपित ने जाति के आधार पर अपमान करने की मंशा से ऐसा किया हो।

एससी-एसटी कानून की धारा-तीन के तहत अपराध तभी बनता है जब स्पष्ट हो कि उक्त कृत्य

पीड़ित को उसकी जाति के कारण अपमानित करने की मंशा से किया गया हो। प्राथमिकी के लिए केवल यह पर्याप्त नहीं है कि शिकायतकर्ता अनुसूचित जाति से है और उसके साथ दुर्व्यवहार किया गया हो।

दो एसोसिएट प्रोफेसरों के बीच बहस से जुड़ा है

मामला– यह मामला दिल्ली विश्वविद्यालय के लक्ष्मीबाई कॉलेज की दो एसोसिएट प्रोफेसरों के बीच हुई से जुड़ा है। याचिकाकर्ता कॉलेज में हिंदी विभाग की इंचार्ज हैं। याचिका के अनुसार, 16 अगस्त 2021 को विभागीय बैठक में नेशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन काउंसिल (नैक) के मिनट्स तैयार किए गए थे और बैठक में शामिल सभी संबंधित सदस्यों के हस्ताक्षर जरूरी थे।

याचिकाकर्ता ने शिकायत करने वाली एसोसिएट प्रोफेसर से मिनट्स को पढ़ने और हस्ताक्षर करने का अनुरोध किया था। हस्ताक्षर के बाद जब वह रजिस्टर ले जाने लगीं तो उनके हाथ से रजिस्टर वापस लेने की कोशिश की और उन्होंने बाल खींचे एवं रजिस्टर का एक पन्ना फाड़ दिया।

पुलिस से घटना की शिकायत की जाति का कोई जिक्र नहीं था

शिकायत करने वाली एसोसिएट प्रोफेसर ने 17 अगस्त, 2021 को प्रिंसिपल व पुलिस से घटना की शिकायत की, जिसमें जाति का कोई जिक्र नहीं था। जातिवादी टिप्पणी बाद में जोड़ी गई, लेकिन उसमें भी कोई खास तथ्य नहीं थे। छह दिन बाद 23 अगस्त को फिर शिकायत की, जिसके आधार पर प्राथमिकी दर्ज हुई थी।दूसरी शिकायत में भी कोई खास जातिवादी टिप्पणी या बात कहने का आरोप नहीं लगाया गया। अदालत ने कहा कि जातिवादी टिप्पणियों का जिक्र केवल अस्पष्ट और सामान्य शब्दों में किया गया। शिकायत है कि एसोसिएट प्रोफेसर ने कहा था कि ये लोग पिछड़े इलाके से आते हैं और खराब माहौल बना रहे हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564